04 - वायु प्रदूषण से होती लाखों मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

05 - बदलते समय में साहित्य में लोकतांत्रिक मूल्य

A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 26 जून, 2024

06- 195 प्रकरणों पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने की जनसुनवाई

07- आपातकाल तिथि को काला दिवस मनाकर प्रदर्शन किया, धार...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 289 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

क्या सरकार जलवायु परिवर्तन को चेतावनी मानती भी है?

वंदिता मिश्रा

2024 का साल, लगातार चलने वाला वह तीसरा साल है, जब पूरा भारत भीषण हीटवेव का सामना कर रहा है। 2022 से शुरू हुई ये हीटवेव लगातार बढ़ ही रही है। मोटे तौर पर भारत में हीटवेव का मतलब मैदानी इलाकों में 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक और पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान का होना है। यह भी समझ लें कि अब यह बात भी किसी अबूझ पहेली की तरह नहीं रही कि भारत ही नहीं पूरी दुनिया में लगातार गर्मी क्यों बढती जा रही है और हर आने वाला साल पिछले सालों के गर्मी सम्बंधी रिकॉर्ड को क्यों तोड़ता जा रहा है?

देखा जाए तो इतनी अधिक गर्मी में ताप की बढ़ोत्री का कारण है पृथ्वी का लगातार गर्म होना। और पृथ्वी का क्या? पृथ्वी वो, जिसका अस्तित्व ही ग्रीन हाउस गैसों के कारण संभव हुआ। यहाँ, इस ग्रह पर तो जीवन की संभावना उसका विकास ही ग्रीन हाउस गैसों के कारण हो सका। वही ग्रीनहाउस गैसें अब आवश्यकता से ज्यादा हो गई हैं और पृथ्वी को इतना अधिक गर्म कर दे रही हैं कि इस ग्रह में जीवन को संकट पैदा होता जा रहा है। जो जीवन के लिए जरूरी थीं वही अब जीवन के लिए खतरा बन चुकी हैं।

आज की बात को थोड़ी देर के लिए छोड़ दिया जाए तो, पृथ्वी का तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले सामान्य तरीके से स्वतः नियंत्रित हो रहा था लेकिन 1850 के बाद से स्थितियां बदलने लगीं। धीरे-धीरे पृथ्वी का तापमान औद्योगिक धुंए और औद्योगिक उत्पादों की वजह से बढ़ने लगा और अब तो विश्व के सभी वैज्ञानिकों में इस बात को लेकर आम सहमति बन चुकी है कि पृथ्वी के बढ़ते तापमान के पीछे मानवीय गतिविधियों का हाथ है। औद्योगीकरण, रहन-सहन में बदलाव और ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहिसाब जीवाश्म ईंधन(फॉसिल फ्यूल) के इस्तेमाल की वजह से तापमान को ट्रैप करने वाली गैसों-कार्बन डाईऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड आदि- का स्तर भी बढ़ता ही जा रहा है।

सन 1880 से पृथ्वी का तापमान आधिकारिक रूप से रिकॉर्ड किया जा रहा है। नासा के गोडार्ड इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस स्टडीज (GISS) के अनुसार, पृथ्वी का औसत वैश्विक तापमान 1880 के बाद से कम से कम 1.1 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। अधिकांश तापमान वृद्धि 1975 के बाद से हुई है, जो लगभग 0.15 से 0.20 डिग्री सेल्सियस प्रति दशक की दर से हुई है। इसका अर्थ यह हुआ कि बीते मात्र 50 सालों में ही इंसानों ने पृथ्वी को जीवन जीने लायक ग्रह रहने ही नहीं दिया। ऐसा भी नहीं है कि यह सब अचानक हो गया और किसी को कानों कान खबर भी नहीं हुई है। सबको सबकुछ पता चल रहा था।

1968 में 'क्लब ऑफ़ रोम' की स्थापना और 1972 में इसकी रिपोर्ट 'लिमिट टू ग्रोथ' ने वैश्विक समुदाय को इस महत्वपूर्ण समस्या के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया। रिपोर्ट के 3 महीने बाद ही संयुक्त राष्ट्र के तत्वाधान में स्टॉकहोम कन्वेंशन का आयोजन किया गया, इसके बाद 1992 में आयोजित रियो सम्मेलन और NFCCC की स्थापना ने सब कुछ बदल दिया। 2015 में पेरिस में पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया गया और यह तय किया गया कि किसी भी हालत में इस ग्रह का तापमान साल 2100 तक 2 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा नहीं बढ़ने दिया जायेगा।

लेकिन जिस गति से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है और लगातार कई वर्षों से 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा पार की जा चुकी है उससे लगता नहीं कि किसी ने इस समस्या को गंभीरता से लिया, अब लगता है कि 2 डिग्री सेल्सियस का तापमान बढ़ने के लिए इस सदी के अंत तक का इंतज़ार नही करना पड़ेगा। देखा जाए तो मौत का यह सिलसिला अब शुरू भी हो चुका है।

PLoS मेडिसिन में छपे आंकड़ों के अनुसार, 1990 से 2019 तक पूरी दुनिया में हीटवेव से, प्रति वर्ष 153,078 अतिरिक्त मौतें हुई हैं। विश्व मौसम संगठन के अनुसार 2003, 2010 और 2022 में क्रमशः 55,000 से 72,000 लोगों की मृत्यु गर्मी के कारण हुई। सऊदी अरब में अकेले इस सप्ताह में भीषण गर्मी की वजह से 1000 से अधिक हज यात्रियों की मौत हो चुकी है। भारत में मार्च से अब तक, हीटवेव की वजह से लगभग 150 लोगों की मौत हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप हीटवेव सहित कई चरम मौसम की घटनाएँ अधिक और लगातार तीव्र होती जा रही हैं। इसी संस्थान के एक शोधकर्ता इज़िडीन पिंटो ने कहा, 'हमारे अध्ययन के परिणामों को एक और चेतावनी के रूप में लिया जाना चाहिए कि हमारी जलवायु खतरनाक स्तर तक गर्म हो रही है'।

सवाल यह है कि क्या सरकारें इसे चेतावनी के रूप में ले रही हैं? क्या जलवायु परिवर्तन उनके लिए कोई मुद्दा भी है? यह सही है कि लोग अन्य मुद्दों को लेकर बड़ी परेशानी में हैं लेकिन हर रोज अपने सामने अपने बच्चों और प्रियजनों को गर्मी में झुलसते देखना, यह भी बेहद कष्टकारी है।

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी NDP ने हाल ही में किये अपने एक सर्वे में पाया कि 77 प्रतिशत भारतीय अपनी सरकार से यह चाहते हैं कि वो जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर कठोर और आवश्यक कदम उठाये। 79 प्रतिशत भारतीय तो यहाँ तक कह रहे हैं कि भले ही देशों के बीच व्यापार या अन्य रणनीतिक वजहों से आपसी मतभेद हों लेकिन फिर भी उन्हें जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसे मुद्दों के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए।

मुझे लगता है कि लोग वैश्विक स्तर पर सजग तो हो रहे हैं और आगे भी होते रहेंगे, पर भारत में लोगों की सजगता बढ़ी है ये आंकड़े बता रहे हैं। भारत सरकार 2070 तक कार्बन न्यूट्रल भारत बनाने का वैश्विक संकल्प ले चुकी है। पीएम मोदी 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट'(LIFE) की बात कर रहे हैं लेकिन उनके मित्र गौतम अडानी 'हसदेव अरण्य' बर्बाद कर रहे हैं। सरकार अक्सर यह दावा करती है कि विकास के लिए पेड़-पौधों का काटना बहुत जरुरी है और साथ ही यह भी दावा करती है कि जितने पेड़ काटे जायेंगे उतने ही दूसरी जगह लगा भी दिए जायेंगे। यदि सरकार का वह तर्क जो विकास के लिए दिया जाता रहा है वह सही है तो क्या अपने ग्रह और लोगों को बचाने के लिए और विकास कार्यों को भी न बाधित करने के लिए सरकार की तरफ से इतनी सी प्लानिंग नहीं की जा सकती?

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

लोकसभा स्पीकर पर नहीं बनी सहमति, चुनाव आज

विपक्ष और सरकार में तनाव, ओम बिरला के मुकाबले उतरे के. सुरेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा स्पीकर के पद पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सहमति नहीं बन पाई है। एनडीए की ओर से ओम बिरला ने नामांकन दाखिल कर दिया है। वहीं विपक्ष की ओर से के. सुरेश को कैंडीडेट बनाया गया है। उन्होंने भी नामांकन दाखिल कर दिया है। अब बुधवार को सुबह 11 बजे स्पीकर पद के लिए मतदान होगा। के. सुरेश केरल से कांग्रेस के सांसद हैं और 8वीं बार चुनकर लोकसभा पहुंचे हैं। आंकड़ों को देखते हुए साफ है कि स्पीकर पद पर चुनाव की स्थिति में एनडीए का दावा मजबूत है, लेकिन इंडिया अलायंस को लगता है कि उसके पास अपनी ताकत दिखाने का मौका है। इसलिए उसने डिप्टी

स्पीकर का पद देने की शर्त न पूरी होने पर कैंडीडेट ही उतार दिया है। इसके साथ ही भारतीय लोकतंत्र के 72 सालों के इतिहास में ऐसा तीसरी बार होगा, जब स्पीकर के पद पर चुनाव होगा। इस स्थिति के लिए राहुल गांधी ने सरकार पर ही ठीकरा फोड़ा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने सरकार का समर्थन करने का फैसला लिया था।

स्पीकर का कैंडीडेट उतारते ही 'इंडिया' में दिखी फूट

टीएमसी ने किया विरोध,कहा-एकतरफा फैसला ले लिया

कोलकाता (एजेंसी)। लोकसभा स्पीकर के चुनाव में विपक्ष ने अपना कैंडीडेट उतार दिया है। बुधवार को चुनाव है और उसके लिए इंडिया अलायंस के उम्मीदवार के तौर पर के. सुरेश ने नामांकन भी दाखिल कर दिया है। इसके कुछ घंटे बाद ही अलायंस को करारा झटका लगा है। इंडिया गठबंधन का हिस्सा रही ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने इस पर अलग रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। ममता बनर्जी के सांसद भतीजे अभिषेक ने इस पर अलग स्टैंड लेने के संकेत दिए। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह एकतरफा फैसला है। अभिषेक बनर्जी ने कहा, हमसे इस बारे में कोई संपर्क नहीं किया गया। इसके बारे में कोई चर्चा नहीं की गई। दुर्भाग्य से यह एकतरफा फैसला लिया गया है। टीएमसी के इस रुख से विपक्ष के सामने वोटिंग से पहले ही मुश्किल खड़ी हो गई है। नंबर गेम की बात करें तो 240 सीटें अकेले भाजपा के ही पास हैं और अन्य सहयोगी दलों को मिलाकर एनडीए के पास करीब 300 सांसदों का समर्थन है। ऐसे में लोकसभा स्पीकर के चुनाव में ओम बिरला की जीत तय मानी जा रही है। ऐसे में टीएमसी ने साथ नहीं दिया तो इंडिया को करारा झटका लगेगा।

सुप्रभात

सूरज ने कब कहा
मैं सूरज चांद
उगाता हूँ

नदी ने कब कहा
मैं सबकी प्यास
बुझाती हूँ

पेड़ ने कब कहा
मैं सबको प्राणवायु
देता हूँ

बादल ने कब कहा
मैं धरा को रसा
बनाता हूँ

लेकिन आदमी कहता है
सब मैंने किया
सब मैंने किया ।

-दुर्गाप्रसाद झाला

ईडी की कोई बदनीयत नहीं, रिकॉर्ड पर ध्यान नहीं दिया

● दिल्ली हाईकोर्ट ने सीएम केजरीवाल को दे दिया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका लगा है। एक्साइज पॉलिसी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली के सीएम केजरीवाल को निचली अदालत से जमानत दी गई थी। इसके खिलाफ ईडी की अर्जी पर हाई कोर्ट ने स्टे किया था। अब हाईकोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया है यानी केजरीवाल अभी जेल में रहेंगे। इस मामले में हाई कोर्ट ने जमानत पर अंतरिम रोक लगाते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया, जिसमें केजरीवाल को कोई राहत नहीं मिली है। केजरीवाल इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, जहां सोमवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट की ओर से फैसला सुरक्षित रखे जाने को 'असामान्य' बताया और कहा कि आमतौर पर स्टे की याचिका में फैसला ऑन द स्पॉट यानी उसी समय होता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय की उस याचिका को स्वीकार कर लिया जिसमें कथित आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को निचली अदालत के जमानत

● नहीं मिल पाई जमानत,अब जेल में ही रहेंगे केजरीवाल

आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। जस्टिस सुधीर कुमार जैन की पीठ ने 20 जून को निचली अदालत की ओर से दिए गए अरविंद केजरीवाल के जमानत आदेश पर रोक लगा दी। पीठ ने 21 जून को ईडी की ओर से निचली अदालत के फैसले को चुनौती दिए जाने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। अब इस पर फैसला आने तक रोक जारी रहेगी। इस बीच कोर्ट ने मुख्य मामले की सुनवाई जुलाई के लिए तय कर दी है, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय ने मामले में अरविंद केजरीवाल को नियमित जमानत देने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। इससे पहले केजरीवाल के वकील की ओर से हाईकोर्ट के निचली अदालत का आदेश देखे बिना जमानत को स्टे किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट रुख किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि अगर हाई कोर्ट गलती कर दे तो क्या सुप्रीम कोर्ट को दोहराना चाहिए। हम हाई कोर्ट के आदेश का इंतजार करेंगे।

मोहन कैबिनेट ने 52 साल पुराना नियम बदला

म.प्र. सरकार नहीं भरेगी मंत्रियों का इनकम टैक्स

- **5 साल में जमा किए 3.24 करोड़**
- **लोकतंत्र सेनानियों की देश व संविधान के प्रति प्रतिबद्धता को नमन**

भोपाल (नप्र)। एमपी में मंत्रियों का इनकम टैक्स अब प्रदेश सरकार जमा नहीं करेगी। इसका भुगतान अब मंत्री ही करेंगे। सरकार ने 1972 का नियम बदल दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट ने मंगलवार को यह फैसला किया है। बैठक में सीएम डॉ. यादव ने इसका सुझाव रखा, जिस पर सभी ने सहमति दी है। सरकार ने पिछले 5 साल में 3.24 करोड़ रुपए टैक्स जमा किया था।

नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया, सीएम ने बैठक में कहा कि मंत्रियों को मिलने वाले भत्ते पर लगने वाला इनकम टैक्स राज्य सरकार देती है। इसमें सुधार किया जाना चाहिए। इसके बाद सभी ने सीएम के प्रस्ताव पर सहमति दी और इससे संबंधित अधिनियम समाप्त

कर मंत्रियों के भत्ते पर लगने वाला इनकम टैक्स सरकार से जमा कराने की व्यवस्था खत्म करने को कहा है। इसके बाद अब मंत्री खुद इनकम टैक्स भरेंगे।

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि जेल सुधार में कैसे सुविधाएं बढ़ाई जाएं और कैदियों को रोजगार से जोड़ा जाए। इस दिशा में सरकार जल्द ही विधानसभा में विधेयक लाएगी।

शहीदों के माता-पिता को भी मिलेगी आर्थिक सहायता- कैबिनेट बैठक में यह भी फैसला किया गया कि केंद्रीय और राज्य की पैरामिलिट्री और फोर्स की सेवा में शहीद होने वाले अफसरों, कर्मचारियों की सरकार की ओर आर्थिक सहायता शहीद की पत्नी को दी जाती थी। सरकार ने तय किया है कि अब सहायता की 50 प्रतिशत राशि शहीद के माता-पिता को भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आपातकाल के कठिन काल में संवैधानिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अपने और अपने परिवार की चिंता किए बिना संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों की देश के प्रति प्रतिबद्धता को नमन है। उनकी जीवटता के बल पर ही लोकतंत्र को देश में पुर्नस्थापित किया जा सका। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्री परिषद की बैठक वंदे मातरम् के गान के साथ मंत्रालय में आरंभ हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष का स्मरण करते हुए दिवंगत सेनानियों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार बनी सरकार देश में सुशासन स्थापित कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत का लोकतंत्र विश्व में गौरवान्वित हो रहा है।

मिट्टी की टेस्टिंग होगी हर विकासखंड में- मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि कैबिनेट ने कृषि से संबंधित संस्थाओं और एग्रीकल्चर पास आउट युवाओं को मिट्टी (सायल) टेस्टिंग के अधिकार दिए हैं। सरकार ने तय किया है कि हर ब्लॉक में 45-45 टेस्ट कराकर उसका पेमेंट करेंगे। इससे टेस्ट करने वालों को आर्थिक लाभ भी मिलेगा। साथ ही किसानों को मिट्टी की सही रिपोर्ट मिलेगी।

वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज के कई गांव होंगे शहर

पेपर लीक पर होगी उम्र कैद

योगी कैबिनेट में प्रस्ताव पास

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोकभवन में आयोजित हुई कैबिनेट बैठक में 44 प्रस्ताव रखे गए थे जिसमें से 43 प्रस्ताव पास हो गए हैं। इनमें 3 बड़े शहरों के सीमा विस्तार के फैसले पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। वहीं योगी कैबिनेट की बैठक में 7 पर्यटन विभाग के प्रस्ताव भी पास किए गए है। एक दूसरे अहम फैसले में यूपी में पर्चा लीक करने वालों को आजीवन कारावास की सजा के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई है। इसके तहत पेपर लीक कराने के दोषियों पर 1 करोड़ तक का जुर्माना लगेगा। इसके लिए प्रस्तावित कानून का अध्यादेश मंगलवार को योगी कैबिनेट से मंजूर हो गया है। मिल रही जानकारी के मुताबिक योगी कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। इनमें 3 बड़े शहरों के सीमा विस्तार पर कैबिनेट की मुहर लग गई है।

राहुल गांधी लोकसभा में होंगे विपक्ष के नेता, केसी वेणुगोपाल ने की घोषणा

नईदिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने के लिए तैयार हो गए हैं। इसी के साथ कांग्रेस ने उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा भी कर दी। पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इसकी जानकारी दी। इससे पहले कांग्रेस कार्यसमिति ने राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया था।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 42.5 °c | न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 26 जून 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

हादसा बेहद गंभीर था, पर हमारे भी हाथ बंधे हैं

पुणे पोर्श कार हादसे पर बोला बॉम्बे हाईकोर्ट, दे दी नाबालिग को जमानत

पुणे (एजेंसी)। पुणे के कल्याणी नगर में 19 मई की रात तेज रफ्तार पोर्श कार से दो इंजीनियरों को कुचलने के आरोपी नाबालिग को बॉम्बे हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। अदालत ने कहा हादसा बेहद गंभीर है लेकिन हमारे भी हाथ बंधे है। हम नाबालिग को ज्यादा दिन जेल में नहीं रख सकते हैं। आरोपी लड़के को हादसे के 15 घंटे के बाद ही जूवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने निबंध लिखने की शर्त पर जमानत दे दी थी। जब बोर्ड के फैसले पर विवाद हुआ, तब उसे दोबारा हिरासत में लिया गया। इस केस में नाबालिग लड़के पिता विशाल अग्रवाल और मां शिवानी भी जेल में हैं। बच्चे के पिता पर आरोप है कि उन्होंने नियमों को दरकिनार कर बच्चे को पोर्श कार की चाबी दी थी, जबकि उसकी मां पर ब्लड सैंपल स्वैपिंग करने का आरोप है। इस मामले में ब्लड सैंपल बदलने वाले डॉक्टरों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की गई है। आरोपी नाबालिग ने 19 मई की रात दोस्तों के साथ पुणे के पब में पार्टी की थी। पार्टी के बाद वह अपनी 2.5 करोड़ की पोर्श कार को ड्राइव करने लगा। कल्याणी नगर में उसकी तेज रफ्तार कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद बाइक पर बैठे इंजीनियरिंग प्रफेशनल अनीश और अश्विनी की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के बाद बाइक पर बैठे दोनों प्रोफेशनल 20 फुट हवा में उछले और मौके पर ही दम तोड़ दिया। दोस्तों ने पुलिस को बताया कि हादसे के वक्त नाबालिग नशे में धुत था और वह 200 किमी प्रति घंटे की स्पीड से गाड़ी चला रहा था। आरोपी नाबालिग को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया, फिर उन्हें पुलिस अपने साथ ले गई।

अब तेजी से पेंडिंग केस निपटाएगा सुप्रीम कोर्ट

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कर दिया लोक अदालत का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित पड़े मामलों को देखते हुए सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने लोक अदालत लगाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि 29 जुलाई से लोक अदालत शुरू की जाएगी और लोग इसका लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, 29 जुलाई से 3 अगस्त तक सुप्रीम कोर्ट में लोक अदालत का आयोजन होगा। सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75 साल पूरे होने पर आयोजित होने वाली कार्यक्रमों कि श्रृंखला के अंतरगत यह आयोजन भी किया जा रहा है। सीजेआई ने कहा, गौर करने वाली बात है कि हम सब जज हैं और न्याय के संस्थान के लिए उत्तरदायी हैं। ऐसे में हमें लंबित पड़े मामलों की भी चिंता है। लोक अदालत में एक बहुत ही अनौपचारिक और तकनीक आधारित हल निकाला जाएगा जिससे नागरिक संतुष्ट भी हो जाएं और केस भी निपट जाएं। यह आपसी सहमति पर आधारित होगा। उन्होंने कहा कि

नागरिक और वकील सभी इसका लाभ उठा सकते हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के सभी साथियों और कर्मचारियों की तरफ से हम नागरिकों से अपील करते हैं कि नागरिक और वकील जिनके केस लंबित हैं वे कोशिश करें कि त्वरित तरीके से उनके मामलों का समाधान निकल आए। यह एक तरह का विवाद का हल निकालने का तरीका है। दरअसल लोक अदालत को लीगल सर्विसेज अथॉरिटीज ऐक्ट 1987 के तहत वैधानिक बताया गया है। लोक अदालतों द्वारा दिए गए फैसलों को सिविल अदालत का डिक्री माना जाता है और सभी पक्षों पर मानने के लिए बाध्यकारी होता है। इस फैसले के खिलाफ किसी अदालत में कोई अपील भी नहीं की जा सकती है। हालांकि प्रक्रिया के तहत उचित अदालत में जाकर मुकदमा शुरू किया जा सकता है। विशेष लोक अदालतों द्वारा समझौते और निपटान की स्थिति में अदालती शुल्क वापसी का भी प्रावधान है। आम तौर पर इन अदालतों में वैवाहिक और संपत्ति विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, सेवा और श्रम संबंधी विवाद सुलझाए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

शपथ के बाद ओवैसी ने लगाए फिलिस्तीन के नारे

● लोकसभा में शुरू हुआ नया विवाद, बीजेपी ने किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद से लोकसभा सांसद और एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संसद में शपथ ले रहे थे। इस दौरान उन्होंने फिलिस्तीन-इजराइल विवाद के बीच फिलिस्तीन के नारे लगाए। जिसके बाद बीजेपी ने इसका तगड़ा विरोध किया है। लोकसभा का विशेष सत्र चल रहा है। इस सत्र में सभी नव नियुक्त संसद सदस्य अपने सदस्यता की शपथ ले रहे हैं। क्रम चल ही रहा था कि इसी बीच हैदराबाद से ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और सांसद ने भी अपने सदस्यता की शपथ ली। शपथ लेने के बाद उन्होंने जय फिलिस्तीन का नारा लगाया। जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया।

नृपेंद्र मिश्रा बोले-

राममंदिर में बिजली के पाइप से भरा पानी

● मंदिर निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में पहली बारिश में पानी टपकने पर मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने सफाई दी। मंगलवार को उन्होंने कहा- राम मंदिर के गर्भगृह में पानी भरने की दो वजह रहीं। पहली, गर्भगृह के आगे गूढ़ मंडप का निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है। इसके चलते बारिश का पानी मंदिर परिसर में आ गया। दूसरी, मंदिर की पहली मंजिल पर बिजली के तार डालने के लिए पाइप खुला था। इसके जरिए भी पानी मंदिर में आया।

दिल्ली जल संकट को लेकर आतिशी का अनशन खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली जल संकट को लेकर मंत्री आतिशी का अनशन 5वें दिन खत्म हो गया है। आतिशी की सोमवार-मंगलवार की देर रात को तबीयत बिगड़ गई थी। एएपी नेताओं ने उन्हें तड़के करीब 3 बजकर 38 मिनट पर अस्पताल में भर्ती कराया। मंगलवार सुबह संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आतिशी का अनशन अब खत्म हो गया है। उनका बल्ड शुगर लेवल 36 पहुंच गया है। यह मंगलवार देर रात 43 रिकॉर्ड किया गया था। अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि आतिशी आईसीयू में हैं। वे फिलहाल ठीक हैं। मंगलवार रात को ही उन्हें भर्ती होने की सलाह दी गई थी, लेकिन उन्होंने हमारी बात नहीं मानी थी। आतिशी दिल्ली जल संकट को लेकर 21 जून से जंगपुरा के भोगल में अनशन पर बैठी थीं।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया बोले- चाहे विधायक का रिश्तेदार हो, छोड़ेंगे नहीं

प्रियंका मीणा के देवर ने अफसर से मांगे थे 50 लाख ; कांग्रेस ने उठाए सवाल

गुना (नप्र)। गुना में कृषि विभाग के उप संचालक को बंधक बनाने के मामले में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का बयान आया है। सिंधिया ने मंगलवार को कहा- किसी का भी रिश्तेदार हो, छोड़ा नहीं जाएगा। वहीं, कांग्रेस राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा- विपक्ष का व्यक्ति या अन्य कोई होता, तो अब तक उसके घर बुलडोजर चल चुका होता।

बता दें, कृषि उप संचालक अशोक कुमार उपाध्याय ने सोमवार को एसपी संजीव कुमार सिन्हा के नाम आवेदन दिया था। इसमें चाचौड़ा से भाजपा विधायक प्रियंका के देवर और विधायक प्रतिनिधि अनिरुद्ध मीणा पर बंधक बनाकर 50 लाख रुपए मांगने का आरोप लगाया। साथ ही, गाली-गलौज भी की गई। उन्होंने कार्रवाई की मांग की। इस आरोप को अनिरुद्ध मीणा और विधायक प्रियंका ने बेबुनियाद बताया था।

सिंधिया बोले- कोई भी हो, छोड़ेंगे नहीं- केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार रात में गुना में रोड शो किया। दूसरे दिन मंगलवार सुबह प्रेस

कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान सिंधिया ने अफसर को बंधक बनाने के मामले में कहा, 'मुझे इसकी सूचना नहीं है। आज पेपर में ही पढ़ा है। मैंने स्पष्ट कहा है कि गुना, शिवपुरी और अशोकनगर में चाहे अध्यक्ष जी का हो, विधायक जी का हो, मेरा रिश्तेदार हो, सहयोगी हो, पार्टनर हो, जिसका भी व्यक्ति हो, किसी को भी छोड़ा नहीं जाएगा। सही सही है, गलत गलत है।'

सिंधिया ने कहा, 'खाद के मामले में भी निर्देश दिए थे कि सोसायटी द्वारा ही खाद वितरण होना चाहिए। खाद की कालाबाजारी की रिपोर्ट आ रही थी। सब पर अंकुश लगाया जाएगा। मैंने चुनाव में भी कहा था, किसी भी तरह का माफिया अगर मेरे क्षेत्र में है, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। अगर आप मेरे अन्नदाताओं का खाद लोगे, उसका व्यापार करोगे, तो आप भी माफिया ही हो।'केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सोमवार को गुना पहुंचे थे। यहां उन्होंने रोड शो किया। इसके बाद दूसरे दिन सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

पटवारी-दिग्विजय ने भी उठाए सवाल

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए हैं। जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मोहन यादव जी, आरोप तो हजारों हैं, परंतु अभी दो घटनाएं तो सबूत के साथ सामने हैं। या तो भाजपा के आरोपित विधायकों के खिलाफ एफआईआर करो, या मान लो कि वल्लभ भवन की पांचवीं मंजिल से भ्रष्टाचार को खुला आमंत्रण दिया जा रहा है।' वहीं, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने लिखा, 'क्या मोहन यादव जी व मुख्य सचिव महोदया जी आप अपने अधिकारियों का संरक्षण करेंगे या उन्हें ऐसे ही पीटने देंगे? अभी तक डीडीए गुना उपाध्याय जी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई, गिरफ्तारी तो छोड़ दीजिए। अभी तक कोई कांग्रेस का कार्यकर्ता होता तो एफआईआर दर्ज हो जाती, गिरफ्तारी हो जाती। यदि अल्पसंख्यक होता तो बुलडोजर से उसका घर गिरा दिया होता। इतना पक्षपात तो मुख्यमंत्री न करो।'

90 साल के लज्जाशंकर हरदेनिया ...एक यात्रा....अनवरत

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार और सामाजिक आंदोलनकारी लज्जाशंकर हरदेनिया ने बीते 14 जून को अपने जीवन के 90 बरस पूरे किये हैं. इस अवसर पर दिनांक 24 जून 2024 को भोपाल के गांधी भवन में अभिनंदन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी में भोपाल के पत्रकार, साहित्यकार,संस्कृतिकर्मी, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनेता और भोपाल के वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए और हरदेनिया जी के 90वें जन्मदिन को उत्साह एवं वैचारिक आयोजन के साथ मनाया गया।

अभिनंदन संध्या के दौरान श्री दिग्विजय सिंह, बालमुकुंद भारती, बादल सरोज, एन.के. सिंह,राजेंद्र कोठारी,दयाराम नामदेव, आलोक अग्रवाल,आशा मिश्र और जावेद अनीस द्वारा हरदेनिया जी को लाकर अपने विचार और अवुभव साझा किये गये, जिसमें वक्ताओं ने उनकी जनतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए लगातार किये जा रहे संघर्ष को याद करते हुए इसे अपनी प्रेरणास्त्रोत बताया।

इस मौके पर हरदेनिया के जीवन पर अनिल धीमन द्वारा निर्मित एक वीडियो-फिल्म का प्रदर्शन किया गया जिसमें हरदेनिया जा द्वारा अपने जीवन के अनुभवों के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी है.साथ ही इस दौरान हरदेनिया जी के जीवन यात्रा पर आधारित फोटो प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्री लज्जाशंकर हरदेनिया ने अपने उद्बोधन में कहा इस आयोजन के माध्यम से जिस प्रकार से उन्हें सम्मान और आदर दिया है वो उनके लिए किसी नोबेल पुरस्कार के कम नहीं है।

राजस्थान के शिक्षा मंत्री के बयान का मप्र.में विरोध

डीएनए वाले बयान पर गुस्साए आदिवासी युवाओं ने निकलवाया ब्लड, पुतला जलाया ; कहा- जांच करा लें

रतलाम (नप्र)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदनलाल दिलावर के आदिवासी का सैंपल लेकर डीएनए कराने वाले बयान का मध्यप्रदेश में भी विरोध किया जा रहा है। मंगलवार को रतलाम में आदिवासी छात्र संगठन ने प्रदर्शन किया। नारेबाजी करते हुए ब्लड सैंपल भी इकट्ठा किया गया।

छात्रों का कहना है कि इस ब्लड को शिक्षा मंत्री के यहां पहुंचाएंगे। वे जांच करवा लें। उन्होंने शिक्षा मंत्री से आदिवासी समाज से माफी मांगने और पद से हटाने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

क्या कहा था राजस्थान के शिक्षा मंत्री ने- 22 जून को राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन लाल दिलावर ने आदिवासियों के अपने आपको हिंदू नहीं मानने के सवाल पर कहा था, ' वे आदिवासी समुदाय के लोग, जो हिंदू धर्म नहीं मानते हैं, उन सबका डीएनए टेस्ट करवाया जाएगा। उनके बाप का पता लगाया जाएगा'। इसी बयान को लेकर आदिवासी युवाओं में आक्रोश है।

शिक्षा मंत्री की फोटो पर मारे जूते, जलाया पुतला- मंगलवार दोपहर रतलाम में साइंस एंड आर्ट्स कॉलेज में आदिवासी छात्र संगठन के पदाधिकारी व छात्र इकट्ठे हुए। वे यहां हाथों में शिक्षा मंत्री के खिलाफ पेम्प्लेट लेकर पहुंचे। मंत्री को हटाने की मांग करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान आदिवासी छात्र संघ के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष ध्यानवीर डामोर, जिला अध्यक्ष दिनेश माल, हेमंत गोदा, अरविंद चरपोटा, कन्हैया भाभर, दीपक गरवाल, महेश मालवीय ने अपने ब्लड का सैंपल दिया। इसके बाद कॉलेज के बाहर आकर शिक्षा मंत्री का पुतला जलाया। पुतले पर शिक्षा मंत्री का फोटो लगा रखा था, जिस पर जूते भी मारे गए। प्रदर्शन के दौरान छात्र संगठन पदाधिकारियों ने अपना खून का सैंपल दिया। यह सैंपल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को भेजा जाएगा।

इतनी दीवाली आई-गईं लेकिन भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट नहीं कर पाए

● ब्रिटेन में सुनक के विपक्षी प्रत्याशी बोले-भारत के साथ रिश्ते री-लॉन्च करेंगे

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के लेबर पार्टी के सांसद और शैडो विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वे भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर प्राथमिकता से काम करेंगे। इसके अलावा ब्रिटेन और भारत के बीच स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को भी आगे बढ़ाया जाएगा। पीएम सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी की आलोचना करते हुए डेविड ने कहा कि वह पार्टी 2010 से सत्ता में है।

अब तक कई दीवाली बीत चुकी हैं, लेकिन कंजर्वेटिव पार्टी ने भारत के साथ ट्रेड डील साइन नहीं की। उन्होंने हमेशा भारत के साथ रिश्तों को लेकर बड़े-बड़े वादे किए लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए जरूरी कदम नहीं उठाए।

महाराष्ट्र में अब चुनाव के नए रास्ते तलाश रही बीजेपी

'मोदी फैक्टर' से मोहभंग, विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की तैयारी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में नुकसान के बाद अब बीजेपी ने विधानसभा चुनाव की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। अक्टूबर में महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव भी कराए जा सकते हैं। वहीं बीजेपी ने 2019 में 23 लोकसभा सीटें जीती थीं लेकिन इस बार 9 पर ही सिमट गई। बीजेपी के सूत्रों का कहना है कि सबसे पहले बीजेपी गठबंधन के अंदर की कमियां दूर करना चाहती है। महायुति के अंदर ही शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी में रार देखने को मिली है। वहीं बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर भी सहमति बनाना मुश्किल हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने इस बार राज्य के नेताओं को प्रमुखता देने का फैसला किया है। उनके द्वारा सुझाए गए रोडमैप को ही आगे रखा जाएगा। बीजेपी का मानना है कि सीधे केंद्र के दखल की वजह से महाराष्ट्र की जनता संतुष्ट नहीं हो पाई। हाल में हुई बैठक में बीजेपी नेताओं ने कहा कि केंद्रीकृत राजनीति की वजह से महाराष्ट्र में नुकसान उठाना पड़ा है।

इमरजेंसी लगाने वाले संविधान पर प्यार न जताएं: मोदी

इस बार दूसरी इमरजेंसी से बचने के लिए जनता ने वोट किया: चिदंबरम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इमरजेंसी की मंगलवार को 49वीं बरसी थी। इससे एक दिन पहले 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में विपक्षी सांसदों ने संविधान की कॉपी लेकर शपथ ली थी। इसे लेकर प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि इमरजेंसी लगाने वालों को संविधान पर प्यार जताने का अधिकार नहीं है। पीएम मोदी ने एक के बाद एक एक्स पर चार पोस्ट किए। उन्होंने कहा जिस मानसिकता की वजह से इमरजेंसी लगाई गई, वह आज भी इसी पार्टी में जिंदा है। इसके जवाब में कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि देश को दूसरी इमरजेंसी से बचाने के लिए जनता से इस बार वोट किया है। हमारे संविधान ने ही जनता को आने वाली एक और इमरजेंसी रोकने की याद दिलाई है। चिदंबरम ने कहा कि जनता ने

इस लोकसभा चुनाव में भाजपा के मंसूबों को कम करने के लिए वोट किया है। जनता ने इस तरह का मतदान कर कहा है कि कोई भी शासक संविधान के मूल ढांचे को नहीं बदल सकता है। भारत एक लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश बना रहेगा। कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने कहा कि इंदिरा गांधी में साहस था। उन्होंने घोषित आपातकाल लगाया था, लेकिन देश में 10 साल अघोषित आपातकाल लगा हुआ है। किसान शहीद हो रहे हैं, मीडिया को दबा दिया गया है। विपक्ष के लोग अगर सवाल करते हैं तो उन्हें जेल भेज दिया जाता है। पीएम मोदी ने कहाकि इमरजेंसी के समय जो भी कांग्रेस से असहमति जताता था उसे प्रताड़ित किया जाता था। सामाजिक रूप से इस तरह की नीतियां लागू की गईं, जिससे सबसे कमजोर वर्गों को निशाना बनाया जा सके।

एसीएस सुलेमान ने भोपाल संभाग की समीक्षा मीटिंग की

भोपाल में सीवेज प्लान-नदी के सौंदर्यीकरण का मुद्दा उठा, विधायक शर्मा बोले-सड़कें भी सुधारें

भोपाल (नप्र)। प्रभारी अपर मुख्य सचिव (एसीएस) मोहम्मद सुलेमान ने मंगलवार को भोपाल संभाग की समीक्षा बैठक की। इसमें कई मुद्दों पर चर्चा की गई। भोपाल के हुजूर से विधायक रामेश्वर शर्मा ने भोपाल के लिए विस्तृत सीवेज प्लान बनाने का मुद्दा उठाया। कहा कि कलियासोत नदी के सौंदर्यीकरण के लिए 100 करोड़ रुपए का प्लान भी बनाए। साथ ही राजधानी की सड़कें भी सुधारें। भोपाल, विदिशा, राजगढ़, रायसेन और सीहोर के विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं उठाईं और उनके लिए प्लान बनाने को कहा।

एसीएस सुलेमान ने किसानों को खाद-बीज की व्यवस्था करने, मौसमी बीमारियां, आपदा प्रबंधन, सभी जिलों में लंबित अविवादित नामांतरण और बंटवारे के प्रकरण आदि के बारे में चर्चा की। भोपाल स्मार्ट सिटी क्षेत्र में भू-विक्रय की समस्याओं को शीघ्र दूर कर भूमि विक्रय की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को दिए।

भोपाल मास्टर प्लान जारी करने को कहा

एसीएस सुलेमान ने भोपाल के मास्टर प्लान के संबंध में ग्रीन एरिया, फॉरेस्ट, जल स्त्रोत, उद्यान, रहवासी क्षेत्र एवं औद्योगिक क्षेत्र में संतुलन स्थापित कर जल्द से जल्द मास्टर प्लान जारी करने को कहा।

इन मुद्दों पर भी चर्चा

एसीएस ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने, अधिक राशि के विद्युत देयकों के निराकरण, परंपरागत उद्योगों को प्रोत्साहन देने, पशुओं का राजमार्गों पर विचरण रोकने, नामांकन एवं बंटवारा प्रकरणों के निराकरण, जल जीवन मिशन के कार्यों को प्रारंभ कराए जाने, झुग्गियों की समस्या के निराकरण, पानी की निकासी, पेयजल आपूर्ति, अमृत-2 योजना के क्रियान्वयन, नहरों के कार्य, सीवरेज लाइन, सिंचाई परियोजनाओं में छूटे हुए गांवों को शामिल किए जाने, मजरे टोलों में बिजली की व्यवस्था, जर्जर पुलों की मरम्मत, खेल स्टेडियम सुधार को लेकर भी चर्चा की। साथ ही लकड़ी का अवैध विक्रय रोके जाने, पंचायत भवनों के निर्माण, अधूरे पड़े शाला भवनों का कार्य पूरा किए जाने, वन से जुड़े गांवों में सड़क बनवाए जाने, अधूरी पड़ी सड़कों को पूरा किए जाने, जल संरचनाओं की मरम्मत, बिजली के खंभों आदि की मरम्मत, उद्योगों में स्थानीय लोगों को रोजगार दिए जाने, मंदिर जीर्णोद्धार, अस्पताल में चिकित्सकों की कमी पूरी किए जाने आदि के संबंध में सुझाव रखे गए।

विधायक शर्मा ने यह मुद्दा उठाया

पूरे भोपाल का विस्तृत सीवेज प्लान तैयार कर उसे जमीन पर उतारा जाए। अलग-अलग काम होने से पैसे की बर्बादी होती जनता को भी अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अमृत योजना 2 के अंतर्गत 1009 करोड़ के टेंडर जल्द से जल्द लगाए जाए।

कलियासोत नदी के आसपास विधिवत अनुमतियों पर एनजीटी के दवाब में नगर निगम नोटिस जारी कर रहा है, ये गलत है। इस कृत्य पर एसीएस एवं संभाग आयुक्त ने भी जिला प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त की। कलियासोत नदी को बारह मासी नदी बनाने के लिए एवं इस पर स्टॉपडेम और सौंदर्यीकरण हेतु 100 करोड़ रुपए की राशि के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित संभागीय बैठक में सहमति प्रदाय की गई थी। इसका प्लान भी तैयार कराया जाए। आदमपुर छावनी कचरा खंती की वजह से यहां के आसपास के गांवों का जल प्रदूषित हो गया है। इन गांवों में घोड़ापछाड़ डेम से पेयजल की व्यवस्था नगर निगम अथवा जल जीवन मिशन करें। अमृत योजना 2 के अंतर्गत पेयजल योजना के टेंडर जल्द से जल्द जारी किए जाए।

खराब सड़कों की मरम्मत के लिए सभी संबंधित विभाग कार्य तेजी से करें। बिजली के ट्रांसफार्मर की क्षमता से अधिक का ट्रांसफार्मर रखा जाना उचित होगा, क्योंकि निरंतर उन पर लोड बढ़ता ही है। शहरी क्षेत्र की सभी नहरों को कलवर्ट में कन्वर्ट कर दोनों तरफ रोड बनाई जाए। जिससे सड़क सुविधा के साथ सिंचाई के पानी की चोरी भी रुकेगी। एसीएस की मौजूदगी में जनप्रतिनिधियों और अफसरों की मीटिंग हुई। इसमें कई मुद्दों पर चर्चा की गई। एसीएस की मौजूदगी में जनप्रतिनिधियों और अफसरों की मीटिंग हुई। इसमें कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

ये जनप्रतिनिधि-अधिकारी मौजूद रहे

कमिश्नर डॉ. पवन कुमार शर्मा, विधायक भगवान दास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, डॉ. प्रभुराम चौधरी, उमाकांत शर्मा, शमशाबाद सूर्यप्रकाश मीणा, सुदेश राय, गोपाल सिंह, मोहन शर्मा, नारायण सिंह पंवार, हजारीलाल दांगी, भोपाल महापौर मालती राय, जिला पंचायत राजगढ़ अध्यक्ष अमर सिंह यादव, जिला पंचायत रायसेन अध्यक्ष यशवंत सिंह माना समेत भी कलेक्टर एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

24X7 फोन पर उपलब्ध रहे बिजली कार्मिक

भोपाल (नप्र)। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निरंतर विद्युत आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था के लिये कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों के बिजली कार्मिकों को 24X7 दिवस अपने फोन चालू रखने के निर्देश जारी किए गए हैं।

गौरतलब है कि बारिश, आँधी, तूफान आदि के कारण विद्युत लाइनों में खराबी आने के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होने की संभावना होती है। इस दौरान आई खराबी एवं विद्युत लाइनों को दुरूस्त करने में काफी समय लग जाता है, जिसके कारण उपभोक्ताओं को निरंतर विद्युत आपूर्ति किए जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

इस दौरान उपभोक्ता शिकायतों की संख्या बढ़ने एवं उपभोक्ता असंतोष की स्थिति से निपटने के लिए मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने कार्यक्षेत्र के 16 जिलों के मैदानी अमले के साथ विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था से जुड़े नियमित/संविदा/सेवाप्रदाता कार्मिकों को 24X7 दिवस एवं अवकाश के दौरान भी अपना मोबाइल फोन चालू रखने के निर्देश जारी किए गये हैं।

कंपनी ने बताया है कि किसी भी अधिकारी कर्मचारी का मोबाइल यदि विशेष कारणों से बंद भी होता है तो वे अन्य संपर्क सूत्र से अपने नियंत्रणकर्ता अधिकारी को अवगत करायेंगे। नियंत्रणकर्ता अधिकारी की अनुमति के बिना कोई भी कार्मिक मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। कंपनी ने कहा है कि यदि कोई भी कर्मचारी निर्देशों का पालन नहीं करता है तो उसके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

भोपाल में पंखे से लटका मिला महिला का शव

पति को कॉल कर पूछा था- घर कब तक आओगे; गुलमोहर इलाके की घटना

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गुलमोहर इलाके में एक 35 वर्षीय महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। शव का पोस्टमॉर्ट्म करवाकर उसे परिजनों को सौंप दिया गया है।

शाहपुरा थाना पुलिस के अनुसार कोमल कुशवाह (35) गुलमोहर की निवासी थी। वह अपने पति जीवन कुशवाह और दो बच्चों के साथ एक किराए के मकान में रहती थी। कोमल दूसरों के घर में खाना बनाने का काम करती थी। वहीं उनके पति जीवन ड्राइवर हैं। 24 जून की रात को करीब 11 बजे कोमल ने अपने कमरे में पंखे से फांसी लगा ली। उस वक्त घर पर कोई भी मौजूद नहीं था। जब कोमल की बेटी घर पर पहुंची तो उसने अपनी मां को फांसी के फंदे पर लटका देखा। जिसके बाद उसने अपने पिता और पुलिस को फोन कर इसकी सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है जिससे आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा हो सके। पुलिस का कहना है कि परिजनों के बयानों के बाद ही आत्महत्या की असल वजह सामने आएगी।

रात 10:25 पर फोन पर बात हुई थी

कोमल के पति जीवन कुशवाह ने बताया कि 'मुझे रात 10.25 मिनट पर कोमल का फोन आया था। उसने मुझसे पूछा कि आप कितनी देर में आ रहे हैं। मैं सुबह जल्दी घर से निकल जाता हूं, और रात को अक्सर लेट आता हूं। इसी वजह से वह मुझे कॉल करती थी। सोमवार रात को जब उसका कॉल आया तो मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लग रहा था कि वह कुछ ही देर में यह कदम उठाएगी।

घर में हंसी खेल का माहौल

कोमल के पति ने बताया कि घर में किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं थी। हम सभी हंसी-खुशी साथ रहते थे। कोमल के व्यवहार में भी कुछ ऐसा नहीं था। हमारे बीच कभी ऐसी कोई बात नहीं हुई। वे रोज की तरह अपने काम पर जाती थी और घर वापस आ जाती थी। घर में किसी को भी नहीं पता था कि कोमल यह कदम उठाएगी।

आपातकाल की बरसी पर भोपाल में मीसाबंदियों का सम्मान

गुरूनानक मंडल ने काली पट्टी बांधकर हवा में छोड़े काले गुब्बारे, मनाया काला दिवस

भोपाल (नप्र)। गुरुनानक मंडल भोपाल ने आपातकाल के योद्धाओं (मीसाबंदियों) को मंगलवार को शॉल श्रीफल एवं भारत माता का चित्र भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर काली पट्टी बांध कर हवा में काले गुब्बारे छोड़कर काले दिवस का विरोध किया। मीसाबंदियों ने आपातकाल के दौर का स्मरण करते हुए बताया कि किस प्रकार कांग्रेस ने सत्ता के स्वार्थ व अहंकार में देश पर आपातकाल थोपकर विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को हत्या कर

दी गई। इस अवसर पर मीसाबंदी बिहारी लाल लोकवानी, गोविन्द डांडवानी, दिलीप शर्मा, दौलत भरानी, रामजीवन दुबे, मांगीलाल बाजपाई, गुरमुखदास लखमानी सहित 11 मीसाबंदी मौजूद रहे।

मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा कि आज ही के दिन 1975 में एक परिवार ने अपने हाथ से सत्ता निकलने के डर से जनता के अधिकारों को छीन व लोकतंत्र की हत्या कर देश पर आपातकाल थोपा था। अपने सत्ता-स्वार्थ के लिए लगाया गया आपातकाल कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता का प्रतीक और कभी न मिटने वाला कलंक है। उस कठिन समय में अनेक यातनाएँ सहकर लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए लाखों लोगों ने संघर्ष किया। मैं उन सभी देशभक्तों को दिल से नमन करता हूँ।

इस अवसर पर देवेंद्र भार्गव ने सभी देश भक्त मीसाबंदियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर भगवानदास ढालिया, विष्णु राजपूत, राजा शर्मा, शारदा प्रसाद बम्मान, सुनील सराठे, मुकेश सोलंकी,अतुल घेघट, संदीप कल्याणे, मनीष मकोरिया, कैलाश हिरवे, राजकुमारी डागोर, संजय सेन, गोरधन अहिरवार, गोलू राय, जितेन्द्र ठकुरिया, निक्की ठाकुर, चंदू यादव, विनोद सलामे, विवेक तिवारी,नरेंद्र शुक्ला सहित युवा साथी मौजूद रहे।

अशोका गार्डन में युवक की हत्या

घर से देर रात चाय पीने निकला था, धारदार हथियार से बदमाशों ने किए कई वार

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में एक युवक की हत्या हो गई। सोमवार रात 10 बजे सेमरा की राम कॉलोनी निवासी अरविंद विश्वकर्मा (30) अपने घर से चाय पीने के लिए निकला था। इसी दौरान बदमाशों ने धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

एएसआई मनोज सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्ट्म के लिए हमीदिया अस्पताल भेजा गया है, मामले में जांच की जा रही है। वह सेंटिंग बांधने काम करता था।

पुलिस को मिली थी मारपीट की सूचना- पुलिस को डायल 100 पर एकता पुरी ग्राउंड में मारपीट की सूचना मिली थी। किसी ने फोन करके पुलिस को बताया कि चार लोग एक युवक को मार रहे हैं। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो युवक गंभीर रूप से घायल था, जिसके बाद तुरंत ही युवक को हमीदिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

करीब 2 घंटे बाद युवक की अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार युवक को पत्थर और धारदार हथियार से मारा गया है। उसकी गर्दन, चेहरे और शरीर पर पत्थर और धारदार हथियार से वार के कई जख्म थे। मृतक की परिजन गयित्री विश्वकर्मा ने बताया कि रात करीब 9:30 बजे बात हुई थी, वह बता रहा था कि मैंने खाना बना लिया है बस खाने जा रहा हूं, उसके बाद वह दिखाई नहीं दिया फिर पुलिस ने हमें सुबह करीब 5 बजे बताया कि इस तरह की घटना हुई है। उसकी किसी से कोई रंजिश नहीं थी। वह करीब तीन साल से यहीं रह रहा था।

भोपाल में 'प्रणति' का आयोजन

पंडित विश्वमोहन भट्ट, मालिनी अवस्थी सहित पद्म कलाकार एक ही मंच पर देंगे प्रस्तुतियां

भोपाल (नप्र)। भोपाल में गायन वादन एवं नृत्य को समर्पित कार्यक्रम 'प्रणति' का आज से आयोजन होने जा रहा है। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग और संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली इसका आयोजन करेगा। संस्कृति संचालनालय के संचालक एनपी नामदेव ने बताया कि आयोजन में देश के ख्यात कला गुरू प्रस्तुति देंगे।

एक दशक में यह पहला अवसर होगा जब एक मंच पर कई पद्म पुरस्कार प्राप्त कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। संस्कृति विभाग का यह प्रयास है कि भोपाल के कला गुरुओं की सुदीर्घ साधना से परिचित हो सकें और प्रदेश के सुरीले सांस्कृतिक वातावरण में एक नया सुर जोड़ा जा सके।

भोपाल एवं मध्यप्रदेश के लिए यह विशिष्ट आयोजन होगा। जब एक मंच पर देश के जाने-माने कलाकारों की प्रस्तुति देखना अविस्मरणीय अनुभव होगा। यह आयोजन रवींद्र भवन स्थित अंजनी सभागार में प्रतिदिन शाम 6:30 बजे से होगा। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

यह रहेगा शेड्यूल- 25 जून से प्रारंभ हो रहे इस आयोजन में पहले दिन प्रख्यात सरोद वादक अमान-अयान अली का सरोद वादन होगा। इसके बाद कर्नाटक के कलाकार विनायक तोरवी का शास्त्रीय गायन होगा। अगली प्रस्तुति विश्व विख्यात सितार वादक नीलाद्रि कुमार, सितार वादन की

होगी। पहले दिन की अंतिम प्रस्तुति जयपुर से आईं प्रेरणा श्रीमाली,की कथक नृत्य की होगी।

26 जून को सुप्रसिद्ध लोक गायिका लखनऊ से आईं पद्मश्री मालिनी अवस्थी का शास्त्रीय गायन होगा। इसके बाद जाने-माने कलाकार पद्म भूषण विश्वमोहन भट्ट एवं सलिल भट्ट का मोहन वीणा, सात्विक वीणा वादन की सभा सजेगी। अंत में शुभदा वराडकर, मुंबई का ओडिसी नृत्य होगा।

27 जून को पहली प्रस्तुति बेंगलुरू से आईं सुधा रघुनाथन, की शास्त्रीय गायन की होगी। इसके बाद मुंबई से आईं रूपक कुलकर्णी का बांसुरी वादन की सभा सजेगी। वहीं, अंतिम प्रस्तुति दीप्ति ओमचारी भल्ला, दिल्ली की मोहिनीअट्टम की होगी।

यह कलाकार देंगे प्रस्तुतियां- 28 जून को सबसे पहले कर्नाटक से आए पल्लकड़ रामप्रसाद का शास्त्रीय गायन होगा, इसके बाद मुंबई से आए एन.राजम एवं रागिनी शंकर, मुम्बई का युगल वायलिन वादन होगा। अंत में हैदराबाद से आईं अनुषा जेवी, हैदराबाद का कुचिपुड़ी नृत्य होगा।

29 जून को नासिक से आईं मंजरी असनारे केलकर, नासिक के शास्त्रीय गायन से शाम की शुरुआत होगी। इसके बाद मुंबई से आए योगेश समसा का तबला वादन होगा और अंत में चेन्नई से आईं रेवती रामचंद्रन का भरतनाट्यम नृत्य होगा।

मंत्रालयीन अधिकारियों-कर्मचारियों का हस्ताक्षर अभियान प्रारंभ

विभागों में जाकर मांग पत्र पर कराए हस्ताक्षर

भोपाल (नप्र)। लंबित मांगों को लेकर मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ ने पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार मांग पत्र पर हस्ताक्षर के लिए अभियान शुरू कर दिया है। संघ के पदाधिकारियों ने मंगलवार को मंत्रालय बिल्डिंग नंबर-दो में खनिज साधन, राजस्व, वन विभाग, तकनीकी शिक्षा, परिवहन विभाग और ऊर्जा विभाग में जाकर अधिकारियों और कर्मचारियों के हस्ताक्षर कराए। समस्त मंत्रालयीन अधिकारियों-कर्मचारियों के हस्ताक्षर होने के बाद मांगों का ज्ञापन मुख्य सचिव को सौंपा जाएगा। इसके बाद संघ अन्य चरणों की घोषित करेगा।

संघ के अध्यक्ष इंजी. सुधीर नायक ने बताया कि लंबित मांगों को लेकर लंबे समय बाद संघर्ष शुरू होने से मंत्रालयीन अधिकारियों-कर्मचारियों में उत्साह है। मंत्रालय सेवा के अवर सचिव, अनुभाग अधिकारी, सहायक अनुभाग अधिकारी, सहायक ग्रेड-2 एवं 3, भृत्य, दफ्तरी, जमादार, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी, तकनीकी कर्मचारी सहित अन्य सभी संवर्ग ने मांग पत्र पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। सोमवार को पुस्तकालय शाखा आदिम जाति कल्याण, श्रम विभाग, स्थापना

शाखा, अधीक्षण शाखा, केयर टेकर शाखा, पशुपालन-मछली पालन, घुमक्कड़ एवं विमुक्त जाति विभाग, लेखा शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हस्ताक्षर किए हैं।

उन्होंने बताया कि मांग पत्र में आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित नियुक्ति में कोटा निर्धारित करने संबंधी मांग भी रखी गई है। आउटसोर्स कर्मचारी भी मांग पत्र पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। 8 वर्ष से लंबित पदोन्नति शुरू करने, लंबित महंगाई भत्ता एरियर सहित देने, पात्र मंत्रालयीन अधिकारी-कर्मचारी को चतुर्थ समयमान देने, सचिवालय भत्ते और गृह भाड़ा भत्ते का पुनरीक्षण और 8वें वेतनमान की प्रक्रिया शुरू करने आदि मांगे मांग पत्र में शामिल हैं।

भोपाल से अमरनाथ यात्रियों का पहला जत्था कल होगा रवाना

शिवभक्त साथ ले जाएंगे रामलला की 51 प्रतिमाएं, त्रिशूल और तिरंगा

भोपाल (नप्र)। अमरनाथ यात्रा आगामी 29 जून से शुरू होगी। इसके पहले 26 जून से यात्रियों की रवानगी का सिलसिला शुरू हो जाएगा। इसी दिन ओम शिव शक्ति सेवा मंडल समेत कई संस्थाओं के पहले जत्थे भी रवाना होंगे। मंडल के पहले और 10 जुलाई को जाने वाले जत्थे में शामिल श्रद्धालु अपने साथ रामलला की छोटी प्रतिमाएं, त्रिशूल व तिरंगा साथ लेकर जाएंगे। उनका कहना है कि श्रीराम ने भी शिवलिंग की स्थापना कर रामेश्वर पूजा की थी। अयोध्या में रामलला विराजमान हो चुके हैं, तो उनके उसी स्वरूप को अपने साथ ले जाएंगे। पांच जत्थों द्वारा रामलला की 51 प्रतिमाएं अमरनाथ गुफा तक ले जाई जाएंगी। इनमें डेढ़ फीट की एक प्रतिमा वहां मंडल विराजमान कराएगा जबकि बाकी श्रद्धालु अपने साथ वापस लाकर घरों में रखेंगे।

ऑनस्पाट रजिस्ट्रेशन- भटेजा ने बताया कि अनेक लोग ऐसे हैं, जिनको अपनी पसंदीदा तिथि में अमरनाथ यात्रा का रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया है। इसलिए कई लोग जत्थों के साथ और कई लोग अलग से जम्मू जाकर वहीं पर रजिस्ट्रेशन कराएंगे। इसकी वजह यह है कि अमरनाथ श्राइन बोर्ड द्वारा जम्मू में पांच स्थान सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, महाजन सभा सामुदायिक हाल, बालटाल व पंचतरणी में ऑन स्पाट रजिस्ट्रेशन भी किए जाएंगे। रजिस्ट्रेशन के लिए ओरिजिनल हेल्थ सर्टिफिकेट एवं आधार कार्ड अनिवार्य है। टोकन सिस्टम के माध्यम से ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन किए जाते हैं एक व्यक्ति को दो टोकन दिए जाते हैं ।

अष्टधातु से बनी है डेढ़ फीट की एक प्रतिमा- दूसरी ओर भोपाल जिले से 15 हजार से अधिक लोग अमरनाथ यात्रा पर जाएंगे। यात्रा 29 जून से शुरू होकर 17 अगस्त रक्षा बंधन तक चलेगी। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल व हरिओम मंडल समेत कई संस्थाओं के पहले जत्थे 26 जून को भोपाल रेलवे स्टेशन से रवाना होंगे। मंडल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि मंडल की ओर से 51 रामलला की प्रतिमाएं मंगाई गई हैं। इनमें डेढ़ फीट की एक अष्टधातु की प्रतिमा है, शेष विभिन्न प्रकार के स्टोन से बनी है, जो छह से 8 इंच तक की हैं।

दादाजी धाम मंदिर का 15वां स्थापना दिवस

9 भगवान, 17 संत-परमहंसों का वैदिक विधि-विधान से किया गया अनुष्ठान

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पटेल नगर स्थित दादाजी धाम मंदिर का 15वां स्थापना दिवस धूमधाम व धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मनाया गया। इस मंदिर में न केवल 9 भगवान के विग्रह प्रतिष्ठित हैं, बल्कि यह 17 संतों और परमहंसों को समर्पित है। इस मंदिर में 500 साल पूर्व भक्तिकाल में सनातन धर्म की अलख जगाने वाले कई संतों की पूजा होती है। वहीं कई परमहंसों की प्रतिमा भी मकराना के मार्बल पर उकेरी गई हैं। इस मंदिर की ख़ासियत यह है कि यहां पर दादा धूनीवाले की जीवंत प्रतिमा बनाई गई है।

दादाजी गुरूदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव ने बताया कि दादाजी धाम में वर्तमान में 9 देवी-देवता, जिसमें भगवान गणेश, सीता राम, मां दुर्गा, श्री लक्ष्मी नारायण, राधेकृष्ण, मां गायत्री, रामभक्त हनुमान, अर्धनारीश्वर रूप में भगवान शंकर आदि विराजमान हैं। गर्भगृह की परिक्रमा गैलरी में सांईखेड़ा वाले दादा धूनीवाले, संत वेदव्यास, कबीरदास, मीराबाई सहित 17 संत और परमहंसियों की मार्बल पर उकेरी गई प्रतिमाओं को लगाया गया है।

मंदिर के शिखर पर होते हैं चारों धाम में विराजमान भगवान के दर्शन

मंदिर के शिखर पर चारों धाम के दर्शन होते हैं। जिसमें भगवान केदारनाथ, भगवान द्वारिकाधीश, भगवान जगन्नाथ और भगवान रामेश्वरम् हैं। मंदिर परिसर में ही भगवान शिव के परिवार के लिए एक नए गर्भगृह का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें शिवलिंग के अलावा भगवान शंकर की प्रतिमा, पार्वती, कार्तिकेय और भगवान गणेश विराजमान होंगे। मंदिर के चारों ओर पवित्र नदियों गंगा, यमुना, सरस्वती और मां नर्मदा को प्रतिमा स्वरूप में विराजमान किया जाएगा।

संपादकीय

इमरजेंसी व संविधान पर सियासत

देश में संविधान लागू हुए 74 साल और इमरजेंसी को लागू हुए पचास साल बीत गए हैं। लेकिन उस पर अब नए सिरे से राजनीति हो रही है। संविधान और आपातकाल को लेकर केन्द्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ेगा। 18वीं लोकसभा के पहले शपथ ग्रहण सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 जून को देश में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लागू करने तथा लोगों के मौलिक अधिकार निलंबित करने को लेकर लोकसभा में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। देश में जयप्रकाश आंदोलन तथा श्रीमती इंदिरा गांधी के कोर्ट में मुकदमा हारने के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा देने की जगह समूचे देश में जिस ढंग से आपात काल लगाकर लोगो का दमन शुरू किया, वह अपने आप में अभूतपूर्व और श्रीमती गांधी से सत्ता से चिपके रहने की कोशिशों का दुष्परिणाम था। इसका नतीजा यह हुआ कि देश में पहली बार विपक्ष एकजुट हुआ और 19 माह बाद देश में चुनाव हुए, जिसमें श्रीमती गांधी सहित कांग्रेस बड़े पैमाने पर चुनाव हार गई। केवल दक्षिणी राज्यों से उसे सहारा मिला। प्रधानमंत्री संसद में यह मुद्दा उठाकर यह साबित करना चाहते थे कि विपक्ष मोदी राज को देश में अघोषित आपातकाल की संज्ञा देकर जनता को गुमराह करना चाहता है। वो बार- बार यह कह रहे हैं कि अब कोई आपात काल न तो लागू कर सकता है और न ही लोगों के संवैधानिक अधिकार छीने जा सकते हैं। लेकिन कांग्रेस एनडीए सरकार की नीयत पर लगातार सवाल उठाकर भाजपा को परेशान कर रही है। इसी तरह संविधान की रक्षा का मामला भी है। संविधान को बदलना कोई हंसी खेल नहीं है, फिर भी विपक्ष ने लोकसभा चुनाव में यह नरेटिव सफलतापूर्वक बनाया कि मोदीजी को लोकसभा में 400 पार सीटें संविधान बदलने के लिए चाहिए। साथ ही वह देश में ओबीसी, एससी, एसटी के लिए लागू नौकरियों में आरक्षण को भी समाप्त करना चाहती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संविधान की प्रति हाथ में ले लेकर चुनाव प्रचार के दौरान बार बार कहा कि मोदीजी तीसरी बार सत्ता में आए तो संविधान बदल देंगे। हालांकि क्या और कैसे बदलेंगे, यह उन्होंने कभी नहीं बताया। जनता ने भी राहुल की बात को सच माना और चुनाव में भाजपा को कुछ राज्यों में तगड़ा झटका लगा। वैसे कई लोगों का मानना है कि इमरजेंसी जैसी विशेष परिस्थिति के के बगैर भी मोदी सरकार असहमत और विपक्ष के लोगों की जिस तरह धरपकड़ और छापेमारी करवा रही है, उससे बहुत अच्छा संदेश तो नहीं जा रहा है। कुछ लोगों का तो मानना है कि देश में असहमति के लिए स्पेस पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है और जो राजनीतिक हालात हैं, वो इमरजेंसी से भी बदतर हैं। यहां असल सवाल मोदी और उनकी सरकार की नीयत का है। सरकार अभी भी संविधान की गरिमा की रक्षा करने, आरक्षण खत्म नहीं करने और देश में इमरजेंसी नहीं लगाने की बात दोहरा रही है, लेकिन वो अपने वादे पर कितनी टिकेगी, यह बड़ा सवाल है। खुद मोदी सरकार और भाजपा में कोई यह गारंटी देने की स्थिति में नहीं है कि सरकार संवाद और सहमति के रास्ते पर चलने की कोशिश करेगी। प्रधानमंत्री भी विपक्ष से सहमति की बात तो कर रहे हैं, लेकिन अपनी ओर से रंच मात्र भी संदेश नहीं दे रहे हैं कि सरकार विपक्ष का सम्मान करती है। वो शायद अभी भी समझने को तैयार नहीं हैं कि अगर उन्होंने अपनी राजनीतिक शैली नहीं बदली तो देश में सरकार के खिलाफ वातावरण बनने में ज्यादा देर नहीं लगेगी।

नजरिया

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

वायु प्रदूषण से होती लाखों मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश की हवा में घुलते प्रदूषण का 'जहर' अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्ता इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामयियां ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है।

जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दर्शाता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से वह प्रदूषण फैला रहा है और किस तरह वे इस जानलेवा प्रदूषण को नियंत्रित करने में सहयोगी हो सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके। प्रदूषण के नाम पर भी कोरी राजनीति का होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण का बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहना चिन्ता में डालता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने एवं बढ़ता धूम्रपान जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है। हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर 'बेहद खराब' की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है? इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे।

सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई शहर वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेलते हैं। इसका पता तब ज्यादा चलता है जब वैश्विक पर्यावरण संस्थान अपने वायु प्रदूषण सूचकांक में शहरों की स्थिति को बताते हैं। पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा नहीं हिचकिचा रहे जो हवा को जहरीला बना रहे हैं।

चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन- प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। मुश्किल यह है कि वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से जमीन से उठने वाली धूल, पराली की धुंध और वाहनों से निकलने वाले धुएं के छंटने की गुंजाइश नहीं बन पाती है। नतीजन, वायु में सूक्ष्म जहरीले तत्व घुलने लगते हैं और प्रदूषण के गहराने की दृष्टि से इसे खतरनाक माना जाता है। हमारा राष्ट्र एवं दिल्ली सहित अन्य राज्यों की सरकारें नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर खड़ी है। और हमारा नेतृत्व गौरवशाली परम्परा, विकास और हर प्रदूषण खतरों से मुकाबला करने के लिए तैयार है, का नारा देकर अपनी नेकनीयत का बखान करते रहते हैं। पर उनकी नेकनीयती की वास्तविकता किसी से भी छिपी नहीं है, देश में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों के हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट के आंकड़े इस वास्तविकता को उजागर करते हुए प्रदूषण की समस्या का कोई दीर्घकालिक और ठोस हल निकालने के लिये चेता रहे हैं।

राजनीति

रमेश कुमार 'रिपु'

लेखक स्तंभकार हैं।

गठबंधन सरकार के समक्ष चुनौतियां अपार

उम्मीद पर पानी फिर जाएगा। इसकी उम्मीद गुजरात लॉबी को नहीं थी। लेकिन चार जून को आए चुनाव परिणाम से यही हुआ। मजबूरी में गठबंधन की सरकार बनाना पड़ा। अल्पमत का ठप्पा बीजेपी नेतृत्व के लिए परेशानी की बात है। नेहरू जी तीन दफा प्रधानमंत्री थे,उनकी बराबरी करना था। गुजरात लॉबी ने बैसाखी के सहारे सरकार बना ली। संघ पहले ही चेता दिया था,कि अबकी बार बीजेपी को 220 से 240 सीट मिलेगी। फिर भी गुजराती लॉबी सतर्क नहीं हुई। बल्कि अहंकार में बीजेपी के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से कहलवा दिया,कि बीजेपी को संघ की जरूरत नहीं है। मोदी के मंत्रीमंडल में ज्यादातर वही चेहरे हैं। एनडीए को लगा कि उन्हें भी अच्छा विभाग मिलेगा। नहीं मिला। नीतीश और चन्द्रबाबू नायडू इस उम्मीद में हैं कि उनके राज्य को विशेष पैकेज मिलेगा। गुजरात लॉबी के तिकड़म,छल और दगाबाजी की राजनीति से नायडू वाकिफ हैं। इसलिए उन्होंने हमारा स्पीकर रहेगा का पासा फेक कर गुजरात लॉबी को संशय में डाल दिया। राजनाथ को जवाबदारी दी गयी नायडू को मनाने की। इसलिए कि राजनाथ उदारवादी नेता हैं।

राजनाथ ने नायडू से मुलाकात कर उन्हें मनाने की हर संभव कोशिश की कि बीजेपी का स्पीकर बन जानें दे। नायडू जानते हैं,बीजेपी का स्पीकर बनने का मतलब क्या है? गुजरात लॉबी बीजेपी की संख्या 240 से 272 कैसे करेगी यह सब को पता है। वाईएसआर सीपी के चार सदस्य,आप के तीन,रालोद के दो,जद सेक्यूलर दो, एजीपी एक, एजेएसयू एक, एचएएम एक,एसकेएम एक,जदयू के 12 और टीडीपी के 24 सांसद सुरक्षित नहीं है। इनमें से कुछ दल एनडीए का हिस्सा हैं, लेकिन इससे बीजेपी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। जैसा कि महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ क्या हुआ,सब जानते हैं। दरअसल संविधान की दसवीं अनुसूचि में कई छेद हैं। जिनमें छोटे दलों के सांसद फंस सकते हैं। और यह काम बीजेपी का स्पीकर आसान कर देंगे। मोदी को हर हाल में अपना स्पीकर चाहिए। ताकि संसद में विपक्ष ज्यादा सवाल न कर सके। शोर शराबा भी न कर सके। विपक्ष की आवाज को उनका स्पीकर दबा सके। सत्ता पक्ष ज्यादा मेन मेख निकाले तो उसे निलंबित कर दे। जैसा कि 2023 में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने विपक्ष के एक सैकड़ा सांसदों को निलंबित कर दिया था।

नायडू की अपनी शर्त है। उन्हें अमरावती को आन्ध्र प्रदेश की राजधानी बनाने के लिए 16-17 हजार करोड़ रुपए चाहिए। पोलवरम बांध के जरिये राज्य की सिंचाई व्यवस्था को भी दुरस्त करना है। संसद का छोटा सा सत्र 24 जून से शुरू हुआ। स्पीकर का चुनाव 26 जून को होना है। उससे पहले नायडू को एक लाख करोड़ रुपए चाहिए। यानी आन्ध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्र बाबू नायडू को जब तक मोदी एटीएम से पैसा मिलेगा,तब तक वो मौन समर्थन देंगे। जिस दिन पैसा मिलना बंद हो जाएगा वो समर्थन वापस खींच लेंगे। बिहार सबसे गरीब राज्य है। नीतीश को भी अपने राज्य के लिए विशेष पैकेज चाहिए। जबकि देश पर करीब 3.0 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है। आमदनी 330 विलयन डॉलर है। और खर्चा 540 विलियन डॉलर है। देश में बेरोजगारी 7.6 फीसदी है। युवा बेरोजगार 12.4 फीसदी है। देश में 82 फीसदी गरीब जनसंख्या है। ऐसे में कैसे विकसित भारत बनेगा,मोदी भी नहीं जानते।

गठबंधन सरकार के समक्ष केवल आर्थिक चुनौतियां ही नहीं,देश के अंदर पेपर लीक के अलावा संघ की नाराजगी और पार्टी के अंदर विघटन की भी स्थिति है। गडकरी,योगी,डॉ रमन सिंह,वसुंधरा राजे सिंधिया आदि नेताओं से गुजरात लॉबी की जमती नहीं। सभी अपने वक्त का इंतजार कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में रेल दुर्घटना,मोदी और अडानी संबंध, जम्मू कश्मीर में बढ़ती हिंसा,बेकाबू होते मणिपुर के हालात, राज्य सरकारों को गिराने की साजिश,एजेंसियों का दुरूप्रयोग,नेताओं पर फर्जी मुकदमें,एक्जिट पोल के जरिये 11 लाख करोड़ रुपए पहले दिन और फिर 13 करोड़ का खेला जो गुजरात लॉबी ने किया देश वासियों के साथ,वह भी संसद में उठेगा। पिछले पांच बरस में देश में 43 पेपर लीक कांड हुए हैं। जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा आयोजित 16 पेपर लीक हुए। यानी 3.50 करोड़ छात्र प्रभावित हुए। नीट यूजी और नेट परीक्षा कांड से मचे बवाल पर 18वी लोकसभा हंगामेदार होगी। क्यों कि इस बार विपक्ष बहुत मजबूत है। वो संसद चलने नहीं देगा। संसद से सड़क तक सरकार को घेरेगा।

राहुल गांधी कभी सुर्खियों वाली राजनीति करते नहीं। वो संसद सत्र शुरू होने से पहले जिस तरह दावा कर रहे हैं,कि बीजेपी के कई सांसद हमारे संपर्क में हैं। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और उद्धव ठाकरे दावा कर रहे हैं कि बीजेपी और एनडीए के कई सांसद उनके संपर्क में है। उससे एक बात साफ है,कि बीजेपी अपना स्पीकर आसानी से बना लेगी, ऐसा नहीं लगता है। चन्द्रबाबू नायडू की राजनीति से बीजेपी वाले वैसे भी वाकिफ हैं। वैसे मोदी और अमितशाह किसी के सगे नहीं हैं तो दूसरी ओर चन्द्र बाबू नायडू भी किसी के सगे नहीं है। अपने ससुर एनटीरामाराव की सरकार गिरा दिये थे। इतना ही नहीं अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार भी इन्हीं की वजह से गिरी थी। अमितशाह की बिसात से नायडू परिचित हैं। वो कोई सियासी जख्म नहीं चाहते। वो जानते हैं,उनका लोकसभा अध्यक्ष होने पर सरकार उनकी जेब में होगी। सियासी गणित की भाषा में कहें तो मोदी इस दफा संख्या के मामले में कमजोर हैं। दो एन नीतीश और नायडू की बैसाखी के बगैर मोदी नहीं चल सकते। ये दोनों सियासी,ब्लेक मेल मोदी को करते रहेंगे। गुजरात लॉबी संशय में है। उसे समझ में नहीं आ रहा है, कि नायडू की शर्त मानें या फिर उनका स्पीकर बन जानें दें। वैसे देखा जाए तो सन् 2004 और 2009 यूपीए सरकार भी गठबंधन की सरकार थी। बाजपेयी की भी सरकर गठबंधन वाली सरकार थी। लेकिन मोदी की सरकार उससे भी कमजोर है। मोदी को सिर्फ 53 अतिरिक्त सांसदों का समर्थन है।

इसी साल तीन राज्यों में चुनाव है। हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंडाइन राज्यों के चुनाव में मोदी को एनडीए सरकार की गारंटी देनी है। झारखंड में सितम्बर में चुनाव है। हरियाणा में बीजेपी और कांग्रेस दोनों को पांच-पांच सीटें लोकसभा में मिली है। अपने छह सांसदों को बीजेपी ने खो दिया। कांग्रेस 46 सीटों पर और बीजेपी 44 सीटों पर आगे है।बीजेपी के लिए चिंता की बात है क्यों कि उसका वोट शेयर 12 फीसदी घटा है। जबकि कांग्रेस का 20 फीसदी बढ़ा है। रोहतक के सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा कहते हैं लोकसभा में बीजेपी को हाफ कर दिया है विधान सभा में साफ कर देंगे।

शिप्रा शुद्धिकरण की सार्थक पहल

पर्यावरण

संदीप कुलश्रेष्ठ

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में उज्जैन में शिप्रा शुद्धिकरण की सार्थक पहल आरम्भ की है। इसके लिए उन्होंने भूमि पूजन भी कर दिया है। इस पहल की खास बात यह है कि खान नदी का दूषित और गंदा पानी अब शिप्रा नदी में कही पर भी नहीं मिलेगा और इस प्रकार शिप्रा नदी शुद्ध रखने की संभावना अब काफी बढ़ गई है।

598.66 करोड़ की लागत से बनेगी क्लोज डक्ट परियोजना -

खान क्लोज डक्ट परियोजना के माध्यम से अब खान नदी का दूषित जल माँ शिप्रा के किसी भी तट पर नहीं मिलेगा। खान का पानी गंभीर नदी के निचले किनारे तक पहुँचाया जायेगा, जिसे भी शुद्धिकरण किया जायेगा और आसपास के किसानों को सिंचाई के लिये पानी मिलेगा। 600 करोड़ रुपये की लागत से आने वाले समय में सेवरखेड़ी में बैराज निर्मित कर शिप्रा का पानी लिफ्ट कर सिलारखेड़ी ले जाया जाएगा और वहाँ से पुनः शिप्रा में छोड़ा जाएगा। इससे शिप्रा का पानी शिप्रा में ही रहेगा।

उल्लेखनीय है कि इंदौर तथा सांवेर के सीवेज युक्त जल को खान नदी के माध्यम से शिप्रा नदी में मिलने से रोकने के लिए जमालपुरा ग्राम के समीप खान नदी पर बैराज का निर्माण करते हुए क्लोज डक्ट के माध्यम से जल का गंभीर नदी में गंभीर बाँध के डाउन स्ट्रीम में डायवर्ट किया जायेगा। साथ ही आगामी सिंहस्थ को दृष्टिगत रखते हुए प्रावधानों के अनुसार जल प्रवाह 40 क्यूसेक जल बहाव क्षमता के रूपांकन कार्य किया गया है। इसमें इंदौर शहर तथा सांवेर शहरी क्षेत्र की अनुमानित जनसंख्या से आने वाले सीवेज एवं सांवेर जल उद्वहन परियोजना के कमाण्ड क्षेत्र मे होने वाली सिंचाई से जल के रि-जनरेशन, देवास एसटीपी से आने वाले जल को पंप कर खान नदी में छोड़ते हुए डक्ट के माध्यम से व्यपवर्तित किया जाएगा।

इस परियोजना में 100 मीटर लम्बाई में एप्रोच चैनल 28.650 कि.मी. लम्बाई में 4.50 मीटर के डी-आकार में भूमिगत बाक्स तथा अंतिम 100 मीटर लम्बाई में ओपन चैनल निर्माण का कार्य प्रस्तावित है। परियोजना में निर्माण कार्य की समय-सीमा 42 माह रखी गई है, जिसमें 15 वर्षों का संचालन तथा रखरखाव का प्रावधान किया गया है। डक्ट में शुरुआती तथा अंतिम छोर के अतिरिक्त 4 संख्या में पहुँच मार्ग प्रस्तावित हैं, जिसकी चौड़ाई डक्ट के समान ही 4.5 मी. रखी गई हैं। इसके माध्यम से डक्ट के अंदर सफाई कार्य किए जाने हेतु हैवी मशीनरी का भी प्रवेश सुनिश्चित किया जायेगा।

शिप्रा शुद्धिकरण के लिए पहले भी 100 करोड़ की योजना बनाई गई थी। इसमें खान नदी का गंदा पानी भूमिगत नाली के माध्यम से वापस कालियादेह महल के पास शिप्रा नदी में डाला जा रहा है। इस योजना से खान नदी का पूरा गंदा पानी नहीं जा पा रहा था। इसके साथ ही खान नदी का गंदा पानी सीधा शिप्रा में ही मिल रहा था इस कारण यह योजना अव्यवहारिक और पूरी तरह से फेल हो गई थी। अब करीब 600 करोड़ की नवीन क्लोज डक्ट योजना से उम्मीद है कि खान नदी का पानी शिप्रा नदी में नहीं मिल सकेगा। इस प्रकार शिप्रा शुद्धिकरण कर नई आस जगेगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

राजेंद्र नागर ' निरंतर '

बना के रहेंगे साहित्य शहर

सुबह सुबह मेरे शहर में जैसे ही अखबारों में ये खबर पढ़ी गई कि केरल के कोझीकोड शहर को यूनेस्को ने भारत का पहला साहित्य शहर घोषित कर दिया है,शहर के तमाम साहित्यकारों पर जैसे वज्रपात हो गया। एस के पोटक्कड़ और वैको मोहम्मद बशीर जैसे महान साहित्यकारों के कारण हुई इस घोषणा के कारण हमारे उज्जैन के साहित्यकारों में हलचल होना तो स्वाभाविक थी क्योंकि उज्जैन नगरी तो वैसे भी साहित्यकारों के लिए बड़ी उर्वरा रही है। महाकवि कालिदास से लगाकर आज के युग के मेरे जैसे ऊर्जावान व्यंग्यकार इस शहर ने दिए हैं।

लिहाजा तमाम व्हाट्सएप ग्रुप और फोन पर यह चर्चा सुबह चार बजे से ही साहित्यकारों ने शुरू कर दी कि उज्जैन को भी साहित्य शहर घोषित किया जाना चाहिए। शहर के तमाम व्यंग्य लेखक संघ, गजल लेखक संघ, नई कविता लेखक संघ,नवगीत लेखक संघ, चुटकुला कविता लेखक संघ, फेडरेशन ऑफ़ ड्रामा, प्रगतिशील लेखक संघ और तमाम रहस्यवादी कवियों ने इंडियन कैफे हाउस की टेबलों पर सुबह नौ बजे से कब्जा जमा लिया। होटल का बिल भरने और आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए एक प्रमुख राजनीतिक पार्टी ने भी सहमति दे दी। आगामी चुनावों को देखते हुए शहर के लगभग दो हजार साहित्यकारों को साधना भी जरूरी था।

मीटिंग की शुरुआत वीर रस के कवि धांसू गुरु के जोरदार नारों 'हम सब एक है, हमसे जो टकराएगा चूर चूर हो जाएगा' जैसे पसीना निकाल देने वाले नारों से हुई। फिर बूढ़े कवियों के खून को उबाल देने के लिए वीर रस का गीत पढ़ा गया। आगे सवाल ये उठाए गए कि पहले तो ये बताया जाए कि जिन दो साहित्यकारों के नाम पर यह शहर 'साहित्य शहर' घोषित किया गया है, यह लोग कौन है ? उन्होंने क्या जुगाड़ लगाई थी ? कोझीगोड़ के साहित्यकारों को उपहार में क्या मिला है ? 'साहित्य शहर' घोषित होने के लिए क्या करना होगा ? क्या-क्या शर्तें अनिवार्य है ? इस संदर्भ में ज्ञापन किसे सौंपा जाए ?

शहर के वरिष्ठतम कवि ने दोनों महान कवियों के बारे में यह कह करके पल्ला झाड़ लिया कि इन दोनों ने बहुत काम किया है। ज्यादा बोलने का समय नहीं है। मीटिंग लंबी हो जाएगी। इसलिए फिर कभी बताऊंगा। ज्ञापन देने वाली बात पर तो सब सहमत थे कि मुख्यमंत्री हमारे शहर के हैं और स्वयं बहुत अच्छे साहित्यिक श्रोता भी हैं इसलिए ज्ञापन तो सीधे मुख्यमंत्री को ही दिया जाएगा। भैया तो आते ही रहते हैं। दे देंगे। फिर ये तय किया गया कि किस तरह की योग्यता कवियों में होना चाहिए यह मालूम करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल कोझीकोड शहर भेजा जाए। कुछ सेवानिवृत और फुरसती कवियों को यह काम सौंप दिया गया और उन्हें आपसी चंदे से स्लीपर में रिजर्वेशन करवा कर केरल के लिए रवाना कर दिया गया। तीन दिवसीय प्रवास के बाद लौटे प्रतिनिधिमंडल ने पुनः एक बार शहर के प्रतिष्ठित होटल में मुलाकात की। इस बार प्रायोजक दूसरी राजनीतिक पार्टी थी।

प्रतिनिधि मंडल ने आंखों देखा हाल सुनाया और फिर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए । 'आज के बाद से सभी कवि प्रति रविवार किसी ने किसी के घर पर अनिवार्य रूप से गोष्ठी करेंगे। प्रचार प्रसार में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। सोशल मीडिया का प्रयोग जमकर करेंगे। कोई किसी दूसरे के चुटकुले या कविता मंच से नहीं सुनाएगा। और यदि किसी ने सुना दिया तो यह बात शहर के बाहर नहीं जानी चाहिए। पिछले दो साल में यदि किसी का कोई संग्रह प्रकाशित हुआ है तो उसकी जानकारी सभी साहित्यकारों के सामने रखना होगी। हर गोष्ठी में प्रत्येक कवि अपने साथ तीन श्रोताओं को आवश्यक रूप से लाएगा। यदि कोई ऐसा नहीं करता है तो उसे हाल में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी वह बाहर ही बैठेगा। गोष्ठी में दो बार चाय पकौड़ी बिस्कुट और खम्मन की व्यवस्था करनी जरूरी होगी। अखबारों में प्रकाशित कतरनों को मध्य प्रदेश सरकार को आवश्यक रूप से भेजना होगा जिसकी जिम्मेदारी प्रकाशन करवाने में समर्थ प्रकाश भैया की होगी।'

मुख्यमंत्री अगले दिन शहर में ही थे लिहाजा तुरंत यह ज्ञापन बाकायदा टाइप करवा कर उन्हें सौंप दिया गया और अब सबको इंतजार है उज्जैन के 'साहित्य शहर' घोषित होने का।

दृष्टिकोण

विवेक रंजन श्रीवास्तव

बदलते समय में साहित्य में लोकतांत्रिक मूल्य

लोकतंत्र एक नैसर्गिक मानवीय मूल्य होता है। इसलिए, वसुधैव कुटुम्बकम् की वैचारिक उद्घोषणा करने वाले वैदिक भारतीय साहित्य में लोकतांत्रिक मूल्य खोजना नहीं पड़ता, यह अव्यक्त रूप से भारतीय साहित्य में समाहित है. वैज्ञानिक अनुसंधानों, विशेष रूप से संचार क्रांति जनसंचार (मीडिया एवं पत्रकारिता) एवं सूचना प्राद्योगिकी (इलेक्ट्रानिक एवं सोशल मीडिया) तथा आवागमन के संसाधनो के विकास ने तथा विभिन्न देशो की अर्थव्यवस्था की परस्पर प्रत्यक्ष व परोक्ष निर्भरता ने इस सूत्र वाक्य को आज मूर्त स्वरूप दे दिया है कि दुनिया एक समदर्शी गांव है. हम भूमण्डलीकरण के युग में जी रहे हैं. सारा विश्व कम्प्यूटर चिप और बिट में सिमट गया है. लेखन, प्रकाशन, पठन पाठन में नई प्रौद्योगिकी की दस्तक से आमूल परिवर्तन परिलक्षित हो रहे हैं. नई पीढ़ी अब बिना कलम कागज के कम्प्यूटर पर ही लिख रही है ,प्रकाशित हो रही है, और पढ़ी जा रही है . ब्लाग तथा सोशल मीडीया वैश्विक पहुंच के साथ वैचारिक अभिव्यक्ति के सहज, सस्ते, सर्वसुलभ, त्वरित साधन बन चुके हैं. ये संसाधन स्वसंपादित हैं, अतः इस माध्यम से प्रस्तुति में मूल्यनिष्ठा अति आवश्यक है,सामाजिक व्यवस्था के लिये यह वैज्ञानिक उपलब्धि एक चुनौती बन चुकी है . सामाजिक बदलाव में सर्वाधिक महत्व विचारों का ही होता है .

लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका , न्यायपालिका के तीन संवैधानिक स्तंभों के बाद पत्रकारिता को चौथे स्तंभ के रूप में मान्यता दी गई क्योकि पत्रकारिता वैचारिक अभिव्यक्ति का माध्यम होता है, आम आदमी की नई प्रौद्योगिकी तक पहुंच और इसकी त्वरित स्वसंपादित प्रसारण क्षमता के चलते ब्लाग जगत व सोशल मीडिया को लोकतंत्र के पांचवे स्तंभ के रूप में देखा जा रहा है .

वैश्विक स्तर पर पिछले कुछ समय में कई सफल जन आंदोलन सोशल मीडिया के माध्यम से ही खड़े हुये हैं . कई फिल्मों में भी सोशल मीडिया के द्वारा जनआंदोलन खड़े करते दिखाये गये हैं . हमारे देश में भी बाबा रामदेव, अन्ना हजारे के द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध तथा दिल्ली के नृशंस सामूहिक बलात्कार के विरुद्ध बिना बंद, तोड़फोड़ या आगजनी के चलाया गया जन आंदोलन, और उसे मिले जन समर्थन के कारण सरकार को विवश होकर उसके सम्मुख किसी हद तक झुकना पड़ा. इन आंदोलनो में विशेष रुप से नई पीढ़ी ने इंटरनेट, मोबाइल एस एम एस और मिस्डकाल के द्वारा अपना समर्थन व्यक्त किया. मूल्यनिष्ठा के अभाव में ये त्वरित प्रसारण के नये संसाधन अराजकता भी फैला सकते हैं, हमने देखा है कि किस तरह कुछ समय पहले फेसबुक के जरिये पूर्वोत्तर के लोगो पर अत्याचार की झूठी खबर से दक्षिण भारत से उनका सामूहिक पलायन होने लगा था. स्वसंपादन की सोशल मीडिया की शक्ति उपयोगकर्ताओ से मूल्यनिष्ठा व परिपक्वता की अपेक्षा रखती है. समय आ गया है कि फेक आई डी के जरिये सनसनी फैलाने के इलेक्ट्रानिक उपद्रव से बचने के लिये इंटरनेट आई डी का पंजियन वास्तविक पहचान के जरिये करने के लिये कदम उठाये जावें.

आज जनसंचार माध्यमो से सूचना के साथ ही साहित्य की अभिव्यक्ति भी हो रही है. साहित्य समय सापेक्ष होता है. साहित्य की इसी सामयिक अभिव्यक्ति को आचार्य हजारी प्रसाद व्दिवेदी जी ने कहा था कि साहित्य समाज का दर्पण होता है . आधुनिक तकनीक की भाषा में कहें तो जिस तरह डैस्कटाप, लैपटाप, आईपैड , स्मार्ट फोन विभिन्न हार्डवेयर हैं जो मूल रूप से इंटरनेट के संवाहक हैं एवं साफ्टवेयर से संचालित हैं . जनसामान्य की विभिन्न आवश्यकताओ की सुविधा हेतु इन माध्यमो का उपयोग हो रहा है . कुछ इसी तरह साहित्य की विभिन्न विधायें कविता, कहानी, नाटक, वैचारिक लेख, व्यंग, गल्प आदि शिल्प के विभिन्न हार्डवेयर हैं, मूल साफ्टवेयर संवेदना है, जो इन साहित्यिक विधाओ में रचनाकार की लेखकीय विवशता के चलते अभिव्यक्त होती है. परिवेश व समाज का रचनाकार के मन पर पड़ने प्रभाव ही है , जो रचना के रूप में जन्म लेता है. लेखन की सारी विधायें इंटरनेट की तरह भावनाओ तथा संवेदना की संवाहक हैं. साहित्यकार जन सामान्य की अपेक्षा अधिक संवेदनशील होता है. बहुत से ऐसे दृश्य जिन्हें देखकर भी लोग अनदेखा कर देते हैं, रचनाकार के मन के कैमरे में कैद हो जाते है. फिर वैचारिक मंथन की प्रसव पीड़ा के बाद कविता के भाव , कहानी की काल्पनिकता, नाटक की निपुणता, लेख की ताकत और व्यंग में तीक्ष्णता के साथ एक क्षमतावान रचना लिखी जाती है . जब यह रचना पाठक पढ़ता है तो प्रत्येक पाठक के हृदय पटल पर उसके स्वयं के अनुभवो एवं संवेदनात्मक पृष्ठभूमि के अनुसार अलग अलग चित्र संप्रेषित होते हैं.

वर्तमान में विश्व में आतंकवाद, देश में सांप्रदायिकता, जातिवाद, सामाजिक उत्पीड़न तथा आर्थिक शोषण आदि के सूक्ष्म रूप में हिंसा की मनोवृत्ति समाज में तेज़ी से फैलती जा रही है, यह दशा हमारी शिक्षा, समाज में नैतिक मूल्यो के ह्रास, सामाजिक-राजनीतिक संस्थाओं की गतिविधियो और हमारी संवैधानिक व्यवस्थाओ व आर्थिक प्रक्रिया पर प्रश्नचिन्ह लगाती है, साथ ही उन सभी प्रक्रियाओं को भी कठघरे में खड़ा कर देती है जिनका संबंध हमारे संवेदनात्मक जीवन से है. समाज से सद्भावना व संवेदना का विलुप्त होते जाना यांत्रिकता को जन्म दे रहा है . यही अनेक सामाजिक बुराईयो के पनपने का कारण है . स्त्री भ्रूण हत्या , नारी के प्रति बढ़ते अपराध , चरित्र में गिरावट, चिंतनीय हैं . हमारी सभी साहित्यिक विधाओं और कलाओ का औचित्य तभी है जब वे समाज के सम्मुख उपस्थित ऐसे ज्वलंत अनुत्तरित प्रश्नो के उत्तर खोजने का यत्न करती दिखें . समाज की परिस्थितियो की अवहेलना साहित्य और पत्रकारिता कर ही नही सकती. क्योकि साहित्यकार या पत्रकार का दायित्व है कि वह

किंकर्तव्यविमूढ़ स्थितियों में भी समाज के लिये मार्ग प्रशस्त करे. समाज का नेतृत्व करने वालो को भी राह दिखाये.

राजनीतिज्ञों के पास अनुगामियो की भीड़ होती है पर वैचारिक दिशा दर्शन के लिये वह स्वयं साहित्य का अनुगामी होता है. साहित्यकार का दायित्व है और साहित्य की चुनौती होती है कि वह देश काल परिस्थिति के अनुसार समाज के गुण अवगुणो का अध्ययन एवं विश्लेषण करने की अनवरत प्रक्रिया का हिस्सा बना रहे और शाश्वत तथ्यो का अन्वेषण कर उन्हें लोकप्रिय तरीके से समुचित विधा में प्रस्तुत कर समाज को उन्नति की ओर ले जाने का वैचारिक मार्ग बनाता रहे. समाज को नैतिकता का पाठ पढ़ाने का दायित्व मीडिया व पत्रकारिता का ही है. इसके लिये साहित्यिक संसाधन उपलब्ध करवाना ही नहीं, राजनेताओं को ऐसा करने के लिये अपनी लेखनी से विवश कर देने की क्षमता भी लोकतांत्रिक प्रणाली में पत्रकारिता के जरिये रचनाकार को सुलभ है .

प्राचीन शासन प्रणाली में यह कार्य राजगुरु, ऋषि व मनीषी करते थे. उन्हें राजा स्वयं सम्मान देता था. वे राजा के पथ दर्शक की भूमिका का निर्वाह करते थे .हमारे महान ग्रंथ ऐसे ही विचारको ने लिखे हैं जिनका महत्व शाश्वत है . समय के साथ बाद में कुछ राजाश्रित कवियो ने जब अपना यह मार्गदर्शी नैतिक दायित्व भुलाकर केवल राज स्तुति का कार्य संभाल लिया तो साहित्य को उन्हें भांड कहना पड़ा. उनकी रचनाओ ने भले ही उनको किंचित धन लाभ करवा दिया हो पर समय के साथ ऐसी लेखनी का साहित्यिक मूल्य स्थापित नही हो सका. कलम की ताकत तलवार की ताकत से सदा से बड़ी रही है .वीर रस के कवि राजसेनाओ का हिस्सा रह चुके हैं , यह तथ्य इस बात का उद्घोष करता है कि कलम के प्रभाव की उपेक्षा संभव नहीं. जिस समय में युद्ध ही राज धर्म बन गया था तब इस तरह की वीर रस की रचनायें हुई. जब विदेशी आक्रांताओं के द्वारा हमारी संस्कृति का दमन हो रहा था तब तुलसी हुये. भक्तिरस की रचनायें हुई. अकेली रामचरित मानस, भारत से दूर विदेशो में ले जाये गये मजदूरो को भी अपनी संस्कृति की जड़ो को पकड़े रखने का संसाधन बनी.

जैसे जैसे नई कम्प्यूटर साक्षर पीढ़ी बड़ी होगी, स्मार्ट सिटी बनेंगी, इंटरनेट और सस्ता होगा तथा आम लोगो तक इसकी पहुंच बढ़ेगी यह वर्चुएल लेखन और भी ज्यादा सशक्त होता जायेगा, एवं भविष्य में लेखन क्रांति का सूत्रधार बनेगा. युवाओं में बढ़ी कम्प्यूटर साक्षरता से उनके द्वारा देखे जा रहे ब्लाग के विषय युवा केंद्रित अधिक हैं. विज्ञापन, क्रय विक्रय, शैक्षिक विषयों के ब्लाग के साथ साथ स्वाभाविक रूप से जो मुक्ताकाश कम्प्यूटर और एंड्रायड मोबाईल, सोशल नेट्वर्किंग, चैटिंग, ट्विटिंग, ई-पेपर, ई-बुक, ई-लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लास, ने सुलभ करवाया है, बाजारवाद ने उसके नगदीकरण के लिये इंटरनेट के स्वसंपादित स्वरूप का भरपूर दुरुपयोग किया है . मूल्यनिष्ठा के अभाव में हिट्स बटोरने हेतु उसमें सैक्स की वर्जना, सीमा मुक्त हो चली है. पिछले दिनो वैलेंटाइन डे के पक्ष विपक्ष में लिखे गये ब्लाग अखबारो की चर्चा में रहे.

प्रिंट मीडिया में चर्चित ब्लाग के विजिटर तेजी से बढ़ते हैं, और अखबार के पन्नो में ब्लाग तभी चर्चा में आता है जब उसमें कुछ विवादास्पद, कुछ चटपटी, बातें होती है, इस कारण अनेक लेखक गंभीर चिंतन से परे दिशाहीन होते भी दिखते हैं. हिंदी भाषा का कम्प्यूटर लेखन साहित्य की समृद्धि में बड़ी भूमिका निभाने की स्थिति में हैं, ज्यादातर हिंदी ब्लाग कवियों, लेखकों, विचारकों के सामूहिक या व्यक्तिगत ब्लाग हैं जो धारावाहिक किताब की तरह नित नयी वैचारिक सामग्री पाठको तक पहुंचा रहे हैं. पाडकास्टिंग तकनीक के जरिये आवाज एवं वीडियो के ब्लाग, मोबाइल के जरिये ब्लाग पर चित्र व वीडियो क्लिप अपलोड करने की नवीनतम तकनीको के प्रयोग तथा मोबाइल पर ही इंटरनेट के माध्यम से ब्लाग तक पहुंच पाने की क्षमता उपलब्ध हो जाने से इलेक्ट्रानिक लेखन और भी लोकप्रिय हो रहा है.

आज का लेखक और पत्रकार राजाश्रय से मुक्त कहीं अधिक स्वतंत्र है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का संवैधानिक अधिकार हमारे पास है. लेखन, प्रकाशन, व वांछित पाठक तक त्वरित पहुँच बनाने के तकनीकी संसाधन अधिक सुगम हैं . अभिव्यक्ति की शैली तेजी से बदली है. माइक्रो ब्लागिंग इसका सशक्त उदाहरण है. पर आज नई पीढ़ी में पठनीयता का तेजी ह्रास हुआ है. किताबो की मुद्रण संख्या में कमी हुई है . आज चुनौती है कि पठनीयता के अभाव को समाप्त करने के लिये पाठक व लेखक के बीच उँची होती जा रही दीवार तोड़ी जाये .

पाठक की जरूरत के अनुरूप लेखन तो हो पर शाश्वत वैचारिक चिंतन मनन योग्य लेखन की ओर पाठक की रुचि विकसित की जाये. आवश्यक हो तो इसके लिये पाठक की जरूरत के अनुरूप शैली व विधा बदली जा सकती है,प्रस्तुति का माध्यम भी बदला जा सकता है. अखबारों में नये स्तंभ बनाये जा सकते हैं. यदि समय के अभाव में पाठक छोटी रचना चाहता है, तो क्या फेसबुक की संक्षिप्त टिप्पणियो को या व्यंग के कटाक्ष करती क्षणिकाओ को साहित्यिक विधा की मान्यता दी जा सकती है? यदि पाठक किताबो तक नही पहुँच रहे तो क्या किताबो को पोस्टर के वृहद रूप में पाठक तक पहुंचाया जावे? क्या टी वी चैनल्स पर रचनाओ की चर्चा के प्रायोजित कार्यक्रम प्रारंभ किये जावे? ऐसे प्रश्न भी विचारणीय हैं। जो भी हो हमारा समय उस परिवर्तन का साक्षी है जब समाज में कुंठाये, रूढ़ियां, परिपाटियां टूट रही हैं . समाज हर तरह से उन्मुक्त हो रहा है, परिवार की इकाई वैवाहिक संस्था तक बंधन मुक्त हो रही है, अतः हमारी पीढ़ी की चुनौती अधिक है. आज हम जितनी मूल्यनिष्ठा और गंभीरता से अपने साहित्यिक दायित्व में लोक मूल्यों का निर्वहन करेंगे कल इतिहास में हमें उतना ही अधिक महत्व दिया जाएगा।

रोजगार

डॉ. मनीष जैसल

लेखक मीडिया शिक्षक हैं।

12 वीं के बाद मीडिया में कॅरियर की असीम संभावनाएं

2024 व आने वाले समय में पत्रकारिता व जनसंचार के क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। यहां रोजगार से मतलब सिर्फ दो वक्त की रोटी का नहीं बल्कि एक बेहतर जीवन यापन से है। आज के समय में बेहतर पत्रकारिता करने वालों को देशभर के बेहतर संस्थानों में स्थान मिल रहा है। बशर्ते वह प्रोफेशनल हो। पत्रकारिता की डिग्री गहन अध्ययन के साथ ले रखी हो। समय-समय पर अलग-अलग सेक्टर में रोजगार की संभावनाएं बढ़ती है। पत्रकारिता व जनसंचार पूरी तरह से रोजगारोन्मुखी कोर्स है। इसमें 12 वीं के बाद विद्यार्थी को ढेरों मौके मिलते हैं जब वह विभिन्न सेक्टर में अपना कैरियर बना सकता है। चाहे वह प्रिंट पत्रकारिता हो, टीवी की दुनियां हो या फिर डिजिटल यूग में अपना हुनर आजमाना हो।

अक्सर हम देखते हैं कि 12 वीं के बाद विद्यार्थी सरकारी नौकरियों के पीछे भागते हैं। प्राइवेट नौकरियों के पीछे भागते हैं। लेकिन शायद लोगों को नहीं पता कि मीडिया एक ऐसी फिल्ड है। जिसमें आप सरकारी और प्राइवेट दोनों ही तरह की जॉब कर सकते हैं। प्राइवेट के विभिन्न संस्थान हमारे देश में है। सरकारी के लिए राज्य व केंद्र सरकारें समय समय पर जनसंपर्क अधिकारी की वैकेंसी निकालती है। मीडिया या प्रेस एक मात्र ऐसी फिल्ड है जो प्राइवेट व सरकारी दोनों ही तरह के लोगों के काम करने के सिस्टम पर नजर रखती हैं। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है अगर आप मीडिया में या फिर मीडिया की इस दुनिया में कैरियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद आप सीधे बैचलर आफ आर्ट्स इन जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आपने ग्रेजुएशन कर लिया है तो आप मीडिया में मास्टर्स भी कर सकते हैं।

मीडिया शिक्षण के मध्य प्रदेश के चुनिंदा संस्थानों की बात करें तो आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर क्षेत्र में पत्रकारिता पढ़ाने वाला सबसे शीर्ष संस्थान बन कर उभरा है। यहां आधुनिक लैब, पूर्णतः तकनीक का उपयोग कर बनाया गया स्टूडियो पत्रकारिता के विद्यार्थियों का न सिर्फ भविष्य बना रहा है। बल्कि देश को अच्छे पत्रकार भी दे रहा है। जो न सिर्फ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का मजबूत हिस्सा बने हैं। बल्कि समाज को एक नई दिशा दिखाने का कार्य भी कर रहे हैं। जिस तरह से आज नए नए मीडिया संस्थान खुल रहे हैं। उससे पत्रकारिता के छात्रों को एक बेहतर भविष्य मिलने की पूरी संभावनाएं हैं। पत्रकारिता और जनसंचार के पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर विद्यार्थी पत्रकारिता, जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, ग्राफिक्स, एनिमेशन एवं मल्टीमीडिया के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकते है। पत्रकारिता और जनसंचार विषय में ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट किसी भी विषय के विद्यार्थी कर सकते हैं। भारत एवं वैश्विक स्तर पर पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। आज के सूचना युग में जनमाध्यमों की नई सैद्धांतिकी भी विकसित हो रही है। इसीलिए इसे वर्तमान परिप्रेक्ष्य के अनुरूप समझने की आवश्यकता है। वर्तमान समय में रोजगार मूलक शिक्षा के क्षेत्र में पत्रकारिता एवं जनसंचार का भी काफी महत्वपूर्ण स्थान है। विश्वविद्यालय द्वारा जनसंचार के क्षेत्र में कुशल संचारक के निर्माण तथा जनसंचार एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उच्च शिक्षण के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की स्थापना की गई है।

विभाग के पाठ्यक्रमों को सैद्धांतिक व रोजगारपरक दृष्टि से संतुलित कर बनाया गया है। इस संकाय के अंतर्गत समाचार सम्पादन, संकलन, प्रसारण तकनीकी और निष्पादन कला के साथ-साथ फिल्म निर्माण, डाक्यूमेंट्री निर्माण हेतु कथा, पटकथा लेखन, सिनेमा समीक्षा आदि पाठ्यक्रमों का संचालन भी किया जा रहा है। इस विभाग के अंतर्गत बीए (जर्नलिज्म), एमए (जर्नलिज्म) के पाठ्क्रम संचालित किए जा रहे हैं। पत्रकारिता और जनसंचार पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी नामांकन लेकर प्रिट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, डिजिटल मीडिया, इंटरनेट मीडिया, एनिमेटेड फिल्म, विज्ञापन, जनसंपर्क, सिनेमेटोग्राफी, डाक्यूमेंट्री आदि विभिन्न प्रकार की मीडिया के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। साथ में रिपोर्टर, एडिटर, स्क्रिप्ट राइटर, फिल्म निर्देशक व निर्माता, कार्टून फिल्म मेकिग, न्यूज़ एंकरिंग, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी आदि सीख सकते हैं। पत्रकारिता एक ऐसा क्षेत्र हैं जिसमें युवाओं के लिए रोजगार की कमी नहीं हैं। इसलिए युवाओं का सामान्य कोर्स की बजाए पत्रकारिता जैसे प्रोफेशनल कोर्स की ओर ज्यादा रूझान हो गया है। वहीं, जनसंपर्क के क्षेत्र में भी रोजगार की संभावनाएं हैं। सरकारी विभागों, निगमों, विश्वविद्यालयों एवं प्राइवेट संस्थानों में जनसंपर्क अधिकारी, सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी के तौर पर नियुक्ति पा सकते हैं।

डिग्री के बाद इन पांच प्लेटफॉर्म पर बना सकते हैं बेहतरीन भविष्य

समाचार पत्र- समाचार पत्र में रिपोर्टर जिसे संवाददाता भी कहा कहा जाता है, उसका काम समाचार और लेख लिखना, समाचार को रिपोर्ट करना, साक्षात्कार लेना, जमीन से जुड़े मुद्दों को ध्यान में रखना होता है। संपादक का कार्य सामग्री का संपादन करना, समाचार कवरेज को बेहतर तरीके से संचालित करना होता है। कॉपी एडिटर व प्रूफरीडर खबरो का संपादन करता है। ग्रामर और स्टाइल की जांच करता है।

रेडियो- रेडियो में न्यूज़ एंकर/प्रस्तुतकर्ता का काम समाचार अपडेट प्रस्तुत करना होता है। निश्चित समयांतराल में समाचार सुनाना भी प्रस्तौता की जिम्मेदारी होती है। संवाददाता लाइव इंटरव्यू लेता है व समाचार की रिपोर्टिंग करता है।

टेलीविजन- टीवी की दुनिया आपको देशभर में दिखाती है। इसमें न्यूज़ एंक का काम खबरों को प्रस्तुत करना, स्टूडियो में लाइव प्रसारण करना, शो होस्ट करना होता है। वीडियो जर्नलिस्ट/मल्टीमीडिया जर्नलिस्ट वीडियो समाचार की रिपोर्टिंग करता है। स्टोरीटेलिंग और एडिटिंग करना का काम भी रहता है।

डिजिटल मीडिया- डिजिटल मीडिया आज के समय में सबसे बेहतर व ट्रेंडिंग प्लेटफॉर्म है। ऑनलाइन/डिजिटल के पत्रकार का कार्य वेबसाइटों और ब्लॉग्स के लिए कंटेंट बनाना होता है। सोशल मीडिया पर विचार विनिमय करना भी एक डिजिटल जर्नलिस्ट की जिम्मेदारी होती है। आजकल सभी बड़े प्लेटफॉर्म भी डिजिटल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं। इसमें सोशल मीडिया प्रबंधक भी होता है जो सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स पर कंटेंट को मैनेज करता है।

विज्ञापन- विज्ञापन सभी प्लेटफॉर्म में कॉमन होता है लेकिन इसमें विद्यार्थी अच्छा भविष्य बना सकते हैं। मीडिया प्लानर विज्ञापन की योजना बनाता है। मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों पर विज्ञापन को पब्लिश करवाकर इसका भुगतान करवाता है।

नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

युवाओं की सृजनशीलता को मिटा रहे मादक पदार्थ

मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। भारत में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या अन्य ऐसे ही मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं।

युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं। देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं।

वर्ष 1993 में प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने बताया है कि कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की

शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है।

देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है।

हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

195 प्रकरणों पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने की जनसुनवाई

राजस्व प्रकरणों में हीला-हवाला पर कलेक्टर ने किया अवकाश प्रतिबंध

- संबंधित अधिकारियों को दिए कार्रवाई के निर्देश
- जनसुनवाई में अधिकांश प्रकरणों का निराकरण न होने पर कलेक्टर सख्त, मुख्यालय न छोड़ने की हिदायत

बैतूल। साहब! मेरे खेत जाने का रास्ता दबंगों ने बंद कर दिया है, चार बार शिकायत कर चुका हूं, कुछ नहीं हो रहा है। यह नजारा जिला मुख्यालय की जनसुनवाई में बरसों से देखने को मिल रहा है। चार माह पहले पदस्थ हुए नए कलेक्टर ने नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने भी इस स्थिति को करीब से देखा, लेकिन राजस्व अमले ने ऐसे प्रकरणों के निराकरण में रूचि नहीं दिखाई तो मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर को सख्त रूख अपनाना पड़ा। उन्होंने जनसुनवाई के बाद सभी राजस्व अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कह दिया कि प्रकरणों के निराकरण करने फील्ड में जाए और रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इसके साथ ही उन्होंने राजस्व अधिकारियों के अवकाश पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर के इस रूख के बाद राजस्व अमले में हड़कंप मच गया है।

मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठकों में वीसी के माध्यम से सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि सीएम हेल्पलाइन में छोटे-छोटे प्रकरण न आए, इसके लिए जिला मुख्यालय के अलावा तहसील मुख्यालयों पर भी जनसुनवाई शुरू करें। जिला मुख्यालय के अलावा तहसील स्तर पर भी जनसुनवाई हो रही है, लेकिन यह मात्र औपचारिक बनकर रह गई है। दरअसल तहसील स्तर की जनसुनवाई में प्रकरणों का निराकरण न होने के कारण एकमुश्त पैसा खर्च कर शिकायतकर्ता को जिला मुख्यालय आकर जनसुनवाई में अपनी समस्या बताना पड़ रहा है। यही वजह है कि उन्हें अपने पैसे के अलावा समय की बर्बादी करना पड़ रहा है।

कलेक्टर ने की थी तहसील मुख्यालय पर जनसुनवाई की पहल

कलेक्टर ने पदभार ग्रहण करने के बाद जिले की अलग-अलग तहसीलों में समस्या निवारण शिविर लगाकर अच्छी शुरुआत की थी। इसके जबरदस्त फायदें भी मिले, लेकिन लोकसभा की आचार संहिता के कारण फिलहाल तहसील स्तर पर जनसुनवाई स्थगित है। गत सप्ताह आचार संहिता खत्म होने के बाद जनसुनवाई शुरू हुई तो बैतूल की जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग शिकायत लेकर पहुंच रहे, इससे अधिकारियों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। यदि दोबार तहसील स्तर पर जनसुनवाई शुरू हो जाए तो कई प्रकरणों का निराकरण हो सकता है।

कलेक्टर के दो टूक से हड़कंप: इधर मंगलवार को कलेक्टर के जनसुनवाई में तीखे तेवर से राजस्व अमले में हड़कंप मच गया। सूत्र बताते हैं कि राजस्व के मामलों की सबसे अधिक शिकायत पहुंचने के बाद कलेक्टर सूर्यवंशी नाराज हो गए। जनसुनवाई खत्म होने के पहले ही उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों की क्लास ले डाली। दो टूक शब्दों में कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें। यदि प्रकरण लंबित पाए जाते हैं तो संबंधितों पर कार्रवाई तय करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आप लोग फील्ड में नहीं जाते हैं और कार्यालय में बैठे रहते हैं। आपके चक्कर में जनता परेशान हो रही, यह बिलकुल नहीं चलेगा। अब सभी फील्ड में जाकर राजस्व प्रकरणों का निराकरण करें और मुझे वाट्सएप पर रोज रिपोर्ट करें। इसके साथ ही उन्होंने राजस्व अधिकारियों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाते हुए बिना उनकी अनुमति के मुख्यालय छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर के इस रूख के बाद राजस्व अमले में जबरदस्त हड़कंप की खबर है।

जमीनी विवाद, नामांतरण-बटवारे ने बढ़ाया सिरदर्द: जनसुनवाई में हर मंगलवार दो सैकड़ा शिकायतें पहुंच रही है। इनमें से पचास प्रतिशत शिकायतें जमीनी विवाद नामांतरण, बटवारे से जुड़ी है। थोकबंद शिकायतें आने से मुख्यालय की जनसुनवाई में व्यवस्था बिगड़ रही है। इनमें से कई शिकायतें ऐसी है, जिनका निराकरण नहीं होने के कारण आवेदक जिला मुख्यालय की जनसुनवाई में पहुंच रहे हैं। यही वजह है कि कलेक्टर को मंगलवार की जनसुनवाई के बाद जबरदस्त नाराज देखा गया। इसका तीखा असर आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा।

इनका कहना

राजस्व अधिकारी अपनी जिम्मेदारी नहीं समझ पा रहे हैं। एक ही शिकायत बार-बार जनसुनवाई में आ रही है। इसी वजह राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि फील्ड में जाकर लोगों की समस्या सुने। राजस्व अधिकारियों के अवकाश पर फिलहाल प्रतिबंध लगाया है।

नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी,
कलेक्टर बैतूल।

आरडी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों को साल भर मिलेगा करियर गाइडेंस

इंटरनेशनल लेवल के प्लेटफार्म माइंडलर के विशेषज्ञ करेंगे करियर कॉउसलिंग

बैतूल। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए ख्यातिनाम शैक्षणिक संस्थान आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल द्वारा बच्चों के चहुमुखी विकास के साथ उनके भविष्य निर्माण के ठोस प्रयास किए जा रहे है। आरडी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती ऋतु खण्डेलवाल की विशेष पहल पर स्कूल में अध्ययनरत बच्चों को अब साल भर करियर गाइडेंस मिलेगा। बैतूल जिले का यह पहला स्कूल होगा जहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर के करियर काउंसलर विशेषज्ञों द्वारा कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को पूरे शैक्षणिक सत्र में करियर कउसलिंग की जायेगी। इसके लिए स्कूल प्रबंधन द्वारा इंटरनेशनल लेबल के करियर काउसलिंग प्लेटफार्म माइंडलर की सेवायें ली है। माइंड के विशेषज्ञ काउंसलरों द्वारा अत्याधुनिक तकनीकी से कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन देने के साथ ही उच्च शिक्षा का गाइडेंस भी दिया जायेगा। 25 जून को आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल में माइंडलर करियर काउंसलिंग प्रोग्राम के ओरिएन्टेशन में माइंडलर की वाइस प्रेसिडेंट प्रतिभा एवं शिल्पा सिंह ने विद्यार्थियों को करियर गाइडेंस का महत्व समझाकर भारत सहित विश्व के अन्य देशों में उपलब्ध उच्च शिक्षा के अवसरों की विस्तार से जानकारी दी। माइंडलर काउसलिंग प्रोग्राम के तहत विशेषज्ञ काउन्सलरों द्वारा आरडी पब्लिक स्कूल की करियर काउसलिंग उनकी स्किल के आधार पर की जायेगी। स्किल की पहचान करने के लिए बच्चों का साइकोमेट्रिक टेस्ट लिया जायेगा। जिससे अभिरूचि की पहचान कर बच्चों की अभिरूचि के मुताबिक कम से कम पांच करियर का गाइडेंस किया जायेगा। विशेषज्ञ द्वारा वन टू वन काउसलिंग की जायेगी। कार्यक्रम में माइंडलर के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को करियर गाइडेंस का महत्व समझाया। कार्यक्रम में आरडी पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं पालक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 12वीं की छात्रा कु. त्रियंबिका सोनी ने किया

नगर में आतंक मचाने वाली महिला की हुई पहचान, पुलिस ने उपचार के लिए बैतूल भेजा

बैतूल/ मुलताई। नगर में अनेक लोगों पर हमला कर आतंक मचाने वाली महिला की मुलताई पुलिस ने पहचान कर ली है । पहचान के बाद उक्त महिला को परिजनो के साथ मुलताई समुदाय स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया जहां से उसे उपचार के लिए बैतूल भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि सोमवार एक महिला ने नगर में आतंक मचा दिया था नगर के मुख्य मार्ग से गुजरते हुए महिला ने कई लोगों पर हमला किया और कुछ लोगों को गंभीर रूप से घायल भी कर दिया था। महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त नजर आ रही थी। इस पूरी घटना की जानकारी पुलिस को लगते ही थाना प्रभारी राजेश सातनकर ने पुलिस टीम को मौके पर भेज कर महिला को थाने पहुंचा। जहां पर उससे पूछताछ करने पर वह कुछ बताने के लिए तैयार नहीं थी। पुलिस ने बमुस्किल उसके परिवार की जानकारी जुटाते हुए पता किया कि वह महिला हेटी खापा की रहने वाली है। जिसका नाम नीता पावर है।

रात में 2 बार 1 घंटे अंधेरे में डूबा रहा जिला चिकित्सालय

- खतरे में पड़ी कई जानें, लिफ्ट में भी दो फंसे

बैतूल। जिला चिकित्सालय इन दिनों असुविधाओं की लिए खासा चर्चा में है कभी एंबुलेंस वालों की मनमानी तो कभी वार्ड बॉय और सिक्योरिटी गार्ड्स की मनमानी की बातें सामने आ रही है जो जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं पर भी प्रश्नचिन्ह लगा रही हैं सोमवार और मंगलवार के दरमियान रात लगभग 11 से 11:25 तक जिला चिकित्सालय अंधेरे में डूब गया इस दौरान लिफ्ट में भी दो लोगों के फस जाने से काफी मशक्कत करनी पड़ी वह तो घनीमत रही की 20 से 25 मिनट में ही लाइट आ गई और उन्हें लिफ्ट से बाहर निकाला जा सका वही उसी रात 1:28 बजे से पूरा जिला चिकित्सालय फिर एक अंधेरे में डूब गया जो लगभग 2 बजकर 20 मीनट तक अंधेरे में डूबा रहा। आपको बता दे कि बैतूल जिला चिकित्सालय में बच्चों के लिए और गहन चिकित्सा कक्ष जैसी अहम इकाइयां हैं जिनमें बगैर बिजली के संचालन नहीं हो सकता जबकि आज रात आईसीयू 44 नवजात शिशु मोजूद थे आईसीयू जो की पूरी मशीनों की सहायता से चलता है।

बैतूल बाजार थाना परिसर में चलाया पौधारोपण अभियान

- पृथ्वी को हरियाली की चादर ओढ़ाने की पहल

बैतूल। बदलते पर्यावरण और घटते वृक्षों की संख्या को देखते हुए बैतूल बाजार थाना परिसर में मंगलवार 25 जून को एक विशेष पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एसडीओपी शालिनी पराते, थाना प्रभारी बबीता उइके, समाजसेवी सोनल पाटिल, श्रीमती सीमा राजपूत, श्रीमती रानी राठौर, श्रीमती पूनम पवार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। थाना परिसर में आयोजित इस पौधारोपण अभियान में लक्ष्मी तरु सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। एसडीओपी शालिनी पराते ने कहा कि ऐसे अभियानों से न केवल पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद मिलती है, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है। थाना प्रभारी बबीता उइके ने भी इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस विभाग हमेशा से ही सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता रहा है। सोनल पाटिल ने इस अवसर पर कहा कि यदि धरती पर जीवन का अस्तित्व चाहिए तो पौधारोपण बहुत जरूरी है। पेड़ नहीं तो जीवन नहीं। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य समाजसेवियों ने भी पौधारोपण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए और इस तरह के अभियानों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अभियान के तहत लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है।

प्रतिभावान खिलाड़ी आर्यन को बैतूल विधायक ने किया सम्मानित

एमपी लीग टी-20 में जबलपुर की टीम से खेलकर किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

बैतूल। आईपीएल की तर्ज पर मध्यप्रदेश में शुरू हुई एमपी लीग टी-20 में जबलपुर की टीम में सदर बैतूल के प्रतिभावान खिलाड़ी आर्यन देशमुख का चयन हुआ था। जबलपुर टीम से खेलते हुए आर्यन द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फायनल मैच में भोपाल की टीम को पराजित करनें में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। बैतूल जिले का नाम रौशन करनें वाले प्रतिभावान खिलाड़ी आर्यन देशमुख को बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल नें शॉल ,श्रीफल,पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें दी।

ऑल राउण्डर खिलाड़ी है आर्यन: एमपी लीग टी-20 में जबलपुर की टीम से खेलकर फायनल मैच जीतनें के बाद प्रतिभावान खिलाड़ी आर्यन नें मंगलवार सुबह अपने पिता पटवारी राजू देशमुख एवं साथी खिलाड़ियों के साथ बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल के निवास पर पहुचकर उनसे मुलाकात की। बैतूल विधायक नें उत्कृष्ट सफलता हासिल कर प्रतिभावान खिलाड़ी आर्यन को सम्मानित किया। बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल के साथ चर्चा के दौरान आर्यन नें बताया कि वे ऑल राउण्डर खिलाड़ी है। अच्छी बेटिंग करनें के साथ वे फॉस्ट बालर भी है। आर्यन नें बताया कि एमपी लीग टी-20 में जबलपुर और भोपाल टीम के बीच हुए फायनल मुकाबले में उन्होनें जबलपुर की टीम से खलते हुए 22 गेंदों में 36 रन बनाकर नॉट आउट रहे तथा एक विकेट भी लिया। बैतूल विधायक नें प्रतिभावान खिलाड़ी आर्यन को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें दी। इस दौरान आर्यन के पिता पटवारी राजू देशमुख ,समाज सेवी पुनीत खण्डेलवाल,निखलेश चढ़ोकार,नितेश बांरगे,वरूण वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

प्रतिभाओं को आगे लानें कर रहे प्रयास - हेमंत खण्डेलवाल: बैतूल जिले का नाम रौशन करनें वाले प्रतिभावान खिलाड़ी आर्यन देशमुख से चर्चा के दौरान बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल नें कहा कि बैतूल जिलें में प्रतिभाओं के कमी नही है। यहाँ की प्रतिभाओं को आगे लाकर प्लेटफार्म उपलब्ध करवानें की जरूरत है। बैतूल विधायक नें कहा कि खेल सहित अन्य क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे लानें के लिए वे लगातार प्रयास कर रहे है। उन्होनें कहा कि बैतूल जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे आनें में सुविधाएं बाधक नहीं बनेगी। अत्याधुनिक सुविधाओं के खेल मैदान सहित खेल से सबंधित अन्य व्यवस्थाओं के लिए एक सुनियोजित रणनीति बनाकर काम किया जा रहा है।

पीएमश्री स्कूलों में शुरू होगी स्मार्ट क्लास और आधुनिक कम्प्यूटर लैब

जिले में संचालित है 20 पीएमश्री स्कूल

बैतूल। जिले में संचालित सभी पीएमश्री स्कूलों में विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास और आधुनिक कम्प्यूटर लैब, स्मार्ट खोज प्रयोगशाला के साथ-साथ विषयवार शिक्षकों द्वारा पढ़ाई की सुविधा मिलेगी, और यह सुविधा इसी सत्र से प्रारंभ होने वाली है। पीएमश्री स्कूलों में अब विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की कवायद शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जिले में 20 पीएमश्री स्कूल संचालित है। पहले 19 पीएमश्री स्कूल थे, इस सत्र से एक और पीएमश्री स्कूल की शुरूआत हुई है। अब इन स्कूलों में भी धीरे- धीरे सुविधा बढ़ाई जाएगी। अब तक इन स्कूलों में बहुत अधिक पढ़ाई की सुविधाएं नहीं है। जानकारी के अनुसार अब पीएमश्री स्कूलों में स्मार्ट क्लास रूम, आधुनिक कम्प्यूटर लैब, स्मार्ट खोज प्रयोगशाला, खेलकूद और पर्यावरण संरक्षण संबंधित गतिविधियां होगी। बेहतर शिक्षा के लिए आधुनिक कम्प्यूटर लैब की भी शुरूआत की जा रही है। इधर राज्य सरकार के साथ-साथ केन्द्र सरकार भी पीएमश्री स्कूलों में अच्छी शिक्षा व्यवस्था बनाने का प्रयास कर रही है। जबसे जिले में सीएम राईज स्कूल की शुरूआत हुई, इन स्कूलों में विद्यार्थियों का पढ़ने का रूझान बढ़ रहा है। वैसे ही पीएमश्री स्कूलों में भी अब विद्यार्थी एडमिशन लेने के लिए दिलचस्पी दिखा रहे है, क्योंकि पीएमश्री स्कूलों में भी सीएम राईज स्कूलों की तरह सुविधा मिलने वाली है। जानकारी के मुताबिक पीएमश्री स्कूलों में सुविधा बढ़ाने के लिए केन्द्र सरकार हर वर्ष 40-40 लाख रूपए खर्च करेगी। इस राशि से स्कूलों में सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। केन्द्र सरकार इस योजना से देश के सरकारी स्कूलों को आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने का प्रयास कर रही है। शिक्षण कार्य के साथ-साथ विद्यार्थियों को इन स्कूलों में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के संबंध में भी पढ़ाया जाएगा। स्कूलों में सुविधाएं बढ़ने से कई गरीब बच्चों को भी इसका फायदा होगा और शिक्षा व्यवस्था भी बेहतर होते जाएगी।

9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए पिलाकर दस्तक अभियान का किया शुभारंभ

महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम संयुक्त रूप से घर-घर जाकर देंगी दस्तक

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में जिले में 25 जून से 27 अगस्त 2024 तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उईके ने बताया कि मंगलवार को प्रातः 10 बजे देशबंधु वार्ड टिकारी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-2 में जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे एवं नगर पालिका पार्षद राजेश पानकर द्वारा 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए पिलाकर दस्तक अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के दौरान महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम संयुक्त रूप से घर-घर जाकर दस्तक देंगी।

दो माह तक चलेगा अभियान: जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे ने कहा कि दस्तक अभियान में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की टीम संयुक्त रूप से घर-घर जाकर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों की जानकारी लेकर बीमारियों का पता लगाकर आवश्यक उपचार देंगी। इस कार्य को पूरी सजगता के साथ करें। कहीं बीमार बच्चे छूट न जाए, क्योंकि बच्चे आने वाले कल का भविष्य हैं। नगर पालिका पार्षद श्री राजेश पानकर ने कहा कि दस्तक अभियान लगभग दो माह तक चलेगा, जिसमें एएनएम, आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर दस्तक देंगी एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी देंगी। इसका माताएं पूरा लाभ उठायें।

कुपोषित बच्चों को करेंगे चिन्हित: जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.एके भट्ट ने बताया कि दस्तक अभियान के तहत समुदाय में बीमार नवजातों और बच्चों की पहचान प्रबंधन एवं रेफरल, 5 वर्ष से कम उम्र के गंभीर कुपोषित बच्चों की सक्रिय पहचान, रेफरल एवं प्रबंधन, 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों में गंभीर एनीमिया की सक्रिय स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन, 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में बाल्यकालीन दस्त रोग की पहचान एवं नियंत्रण हेतु ओआरएस एवं जिंक के उपयोग संबंधी सामुदायिक जागरूकता लाई जाएगी। प्रत्येक घर में गृह भेंट के दौरान ओआरएस भी दिया जाएगा।

संयुक्त टीम घर-घर जाकर करेगी सर्वे: डीपीएम डॉ.विनोद शाक्य ने बताया कि दस्तक अभियान में संयुक्त टीम घर-घर जाकर सर्वे कर बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लेगी। निमोनिया एवं डायरिया के बारे में बतायेंगी एवं ओरआरएस के उपयोग की समझाइश देगी एवं ओआरएस वितरण करेगी। शहरी क्षेत्र परियोजना अधिकारी श्री निरंजन सिंह डुडके ने बताया गया कि महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम संयुक्त रूप से घर-घर जाकर दस्तक देंगी तथा डेली की रिपोर्टिंग कर जानकारी को व्यवस्थित करेगी। कार्यक्रम का संचालन एपीएम शहरी क्षेत्र प्रकाश माकोड़े द्वारा किया गया। इस अवसर पर उप जिला मीडिया अधिकारी महेशराम गुबरेले, प्रभारी परिवार कल्याण कार्यक्रम में एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता सहित अन्य नागरिक गण उपस्थित थे।

संभागायुक्त दीपक सिंह 27 को कुक्षी और निसरपुर का दौरा करेंगे

धार। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण से जुड़े बिंदुओं के उचित निराकरण हेतु संभागायुक्त दीपक सिंह 27 जून को कुक्षी और निसरपुर का दौरा करेंगे। संभागायुक्त द्वारा कुक्षी में पहुंचकर बैठक की जाएगी और बैठक के पश्चात निसरपुर जिला धार में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, सरपंच, जनपद एवं जिला पंचायत के सदस्यगण एवं अधिकारियों से बैठक में चर्चा करेंगे। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक इंदौर अनुराग, पुलिस उप महानिरीक्षक इंदौर रेंज तथा खरगोन रेंज के अतिरिक्त धार, खरगोन, बड़वानी तथा आलीराजपुर ज़िले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक भी शामिल होंगे। साथ ही इन ज़िलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायतों सहित शासन के अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहेंगे।

दो दिवसीय पंच कुंडी यज्ञ संपन्न

नर्मदापुरम(निप्र)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में दो दिवसीय पंच कुंडी गायत्री

महायज्ञ सांई हेवन सिटी नर्मदापुरम में संपन्न हुआ। जिसमें समस्त कॉलोनी वासियों ने भाग लिया। यज्ञ में 11 गुरु दीक्षा संस्कार हुए। पुंसवन संस्कार, नामकरण संस्कार एवं आदि संस्कार संपन्न हुए। विश्व कल्याण के लिए सभी ने मां गायत्री से सामूहिक प्रार्थना की एवं आहुतियां समर्पित की। यज्ञ का संचालन अखिल विश्व गायत्री परिवार गायत्री शक्तिपीठ सेठानी घाट के परिजनों द्वारा किया गया। इस दौरान भरत लाल, कमल सिंह राजपूत, युवराज सिंह राजपूत आदि वरिष्ठ परिजन मौजूद रहे।

युवक की आत्महत्या की जांच जारी

नर्मदापुरम(निप्र)। ग्वालटोली में युवक की आत्महत्या मामले की जांच जारी है। एएसआई सुनील जोशी ने बताया कि अभी पीएम रिपोर्ट का इंतजार है। परिजनों के बयान भी लिए जाएंगे। इसके बाद ही आगे जांच बढ़ेगी। युवक अजय कुमार 20 साल ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। इसके बाद उसका पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। पीएम हो गया है, अब बयान लिए जाएंगे।

सावन सोमवार: शिवलिंग का निर्माण कर दिव्य पदार्थों से अभिषेक व श्रृंगार होगा

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदानगरी में चंद्रमौली महादेव की एक माह तक आराधना करने का पर्व को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार सावन के माह में पांच सोमवार रहेंगे। पांचों सोमवार को महादेव की विशेष आराधना होगी। नर्मदा जल और पंचामृत से अभिषेक होगा। इस दौरान काले महादेव मंदिर में भी विशेष उत्सव होगा। साथ ही पालकी शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। काले महादेव मंदिर में उत्सव विशेष रूप से बनाया जाएगा। महादेव की आराधना का विशेष पर्व सावन का माह रहता है। इस दौरान शहर में जगह-जगह कांवड़ यात्रा निकलेगी तो अभिषेक एक माह तक होगा। सेठानीघाट पर विंध्याचल शेड में एक माह तक शिव जी का अभिषेक होगा। यह अभिषेक शिर्वाचन समिति करेगी। आचार्य पं. सोमेश परसाई ने बताया कि इस बार भी सुबह 5 बजे से 8 बजे तक प्रतिदिन अभिषेक होगा। इसमें शिवलिंग बनाया जाएगा और उसका दिव्य पदार्थों से अभिषेक कर शृंगार होगा। कार्यक्रम में शिवार्चन समिति इसे भव्य बनाने के लिए बैठक कर रही है। वहीं मठ मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. गोपाल प्रसाद खड्डर ने बताया कि सभी शिवालयों में उत्सव होगा। इसमें सेठानीघाट स्थित प्राचीन श्री नर्मदेश्वर मंदिर में शाम के समय एक माह तक अभिषेक होगा। वहीं शहर के नागेश्वर मंदिर, नर्मदेश्वर मंदिर सर्किट हाउस घाट, डीईओ ऑफिस के पास नर्मदेश्वर मंदिर, सांई छत्र कॉलोनी में नर्मदेश्वर मंदिर, गायत्री मंदिर के पास स्थित श्री पंचमुखी मंदिर सहित अन्य शिवालयों में उत्सव रहेगा।

राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की परीक्षा जिले के छः परीक्षा केन्द्रों पर हुई सम्पन्न

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा 23 जून को जिला मुख्यालय के 06 केंद्रों पर दो सत्रों में आयोजित की गई। इस परीक्षा में जिला मुख्यालय स्थित परीक्षा केन्द्रों में 2034 परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए थे। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने परीक्षा के दौरान शासकीय चंद्रशेखर आजाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय सहित अन्य परीक्षा केंद्रों में जाकर लोक सेवा आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार परीक्षा संचालन का जायजा लिया तथा केंद्र अध्यक्षों से छात्रों की उपस्थिति के बारे में जानकारी ली। डिप्टी कलेक्टर एवं परीक्षा के नोडल अधिकारी श्री सुधीर कुशवाह ने बताया कि पीएससी परीक्षा में कुल 2034 परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए थे। जिसमें प्रथम सत्र और द्वितीय सत्र में आयोजित परीक्षा में कुल 1533 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 498 अनुपस्थित रहे।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया

नर्मदापुरम(निप्र)। जनसंघ के संस्थापक भाजपा के पितृपुरुष डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर रविवार को नर्मदापुरम में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम किया। शहर के सतरास्ते स्थित डॉक्टर मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यकर्ताओं ने जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो कश्मीर हमारा है जैसे नारे भी लगाएं। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री प्रसन्ना हर्णे, संभागीय कार्यालय प्रभारी हंस राय, नपाध्यक्ष नीतू यादव, नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील राठौर, कोषाध्यक्ष लोकेश तिवारी, कार्यालय मंत्री प्रशांत दीक्षित, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे, मंडल महामंत्री पूनमचंद मेषकर, नगरमंत्री मनीष परदेशी, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजकुमार चौकसे, मुकेश नागर, अनिल दुबे, वंदना दुबे, प्रशांत तिवारी, सत्या चौहान, श्रीराम सागर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आपातकाल तिथि को काला दिवस मनाकर प्रदर्शन किया, धार नगर भाजपा ने पुतला फूंका

सत्ता की लालसा का आपातकाल देश कभी नहीं भूलेगा : प्रभु राठौर

धार। देश में आपातकाल तिथि 25 जून को काला दिवस के रूप में मनाते हुए कांग्रेस की लोकतांत्रिक हत्या कूटनीति के विरोध स्वरूप भाजपा धार नगर द्वारा मोहन टॉकीज चौराहा पर पुतला दहन कर प्रदर्शन किया गया जिसमें भाजपा वरिष्ठ नेता पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभु राठौर ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय आपातकाल 25 जून कांग्रेस की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का सत्ता की लालसा हेतु तानाशाह निर्णय देश कभी नहीं भूलेगा और कभी माफ नहीं करेगा, कांग्रेस लोकतंत्र की हत्यारी है, भारत का संविधान तब खतरे में था या अब यह देश पूछना चाहता है,50 बरस पूर्व कांग्रेस आपातकाल नई पीढ़ी को पता चले और आज कांग्रेस संविधान पर खतरे की बात करती है, कांग्रेस ने हमेशा देश के लोकतंत्र प्रक्रिया पर प्रश्न चिन्ह खड़ा किया है । वही भाजपा मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर व नितेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि 1975 की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने मजबूत विपक्ष की आवाज दबाने के लिए हमारे हजारों संवैचारिक नेताओ कार्यकर्ताओं ने बर्बरता पूर्वक अत्याचार, 21 माह की जेलयात्रा ऐसी यातनाओं को सहा हैं फिर भी वह अपने विचार, मूल्य आधारित राजनीति और सिद्धांतों से समझौता नहीं किया हम उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय

शर्मा ने बताया कि भाजपा के विरोध प्रदर्शन में जिला पंचायत अध्यक्ष सरदारसिंह मेड़ा, कार्यक्रम प्रभारी जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़, डॉ शरद विजयवर्गीय, जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे, नरेश राजपुरोहित, अनिल जैन बाबा, मनीष प्रधान, शिव पटेल, कालीचरण सोनवानिया, नगर महामंत्री राजेश डाबी, पुरुषोत्तम चौहान, सन्नी होड़ा, अनिल गहलोत, अनिल यादव, बसंतीलाल जैन, हुकुम लश्करी, राकेश दुर्गेश्वर, सोनिया राठौर, विष्णु राठौर, रॉकी आहूजा, प्रभात कुमार गुप्ता भय्यूराम, देवेंद्र रावल, बादल मालवीय, सौरभ त्रिपाठी, महेश बोडाने, मनोज जैन, राजेश कुमावत, कुंदन भूरिया, नमन रावल, आशुतोष विजयवर्गीय, निलेश राठौर, कमलेश बिजवा, अभय वसुनिया, नितिन चौहान, देवांग पंवार, हरीश आर्य, जगदीश सोनी, लखन शर्मा, जतिन मौर्य, शांतिलाल शर्मा, रतन भाबर,पप्पू डामोर, अतुल फकीरा, घनश्याम सोलंकी आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

पिपरिया नर्मदापुरम राज्य मार्ग पर आईसेक्ट कार्नर पर

सालों से मामूली बरसाती पानी से निकासी होती है बंद

हीरालाल गोलानी सोहागपुर पिपरिया नर्मदापुरम राज्य मार्ग 22पर आईसेक्ट कार्नर पर बीसियों सालों से मामूली बरसाती पानी से निकासी होती है बंद। पानी लबालब राज्य मार्ग पर भरा रहता है। इससे चाहें पैदल नागरिक हो या वाहनों के यात्री उन्हें इस असुविधा से दो दो हाथ होना पड़ता है। आम पैदल नागरिक वाहनों के आने पर पानी उछलने से बचने की कोशिश करता है। संबंधित लोक निर्माण विभाग ने,न ही नगर पंचायत परिषद ने तथा बीसियों सालों में सोहागपुर तहसील मुख्यालय में रहने वाले प्रशासनिक अधिकारिओं ने कोई संज्ञान लिया। वहीं वोट बैंक के चक्कर में पक्ष विपक्ष ने इस मुद्दे को नहीं उठाया। आखिर इस पचमढ़ी जाने वाले महत्वपूर्ण मार्ग को सोहागपुर विधानसभा मुख्यालय होने के बाद भी बेसहारा छोड़ रखा था।आज इसी संदर्भ में गौतमबुद्ध वार्ड पार्षद श्रीमती कविता दीपक साहू ने अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत को ज्ञापन सौंपा।इस ज्ञापन में लिखा गया कि गौतमबुद्ध वार्ड में मुख्य मार्ग पर श्री के.पी. सोनी (मास्साब) के घर के पास बनी पुलिया से पानी निकासी नहीं होने के कारण वहाँ बारिश में जल भराव हो जाता है ।जिससे आम नागरिकों के साथ साथ वाहन चालकों को भी अत्यधिक परेशानी होती है। चूंकि उक्त पुलिया मोड़ पर बनी है । उसके एक तरफ ढलान होने से सारा पानी वहीं जमा हो जाता है ।जिससे बचने छोटे बड़े वाहन चालक दूसरी तरफ से वाहन निकालते हैं जिससे दुर्घटनाएँ होती रहती हैं ।कुछ वर्ष पूर्व इसी स्थान पर इसी समस्या के कारण एक व्यक्ति की मृत्यु भी हो चुकी है। फिर भी नगर प्रशासन ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। कुछ समय पूर्व नगर पंचायत द्वारा सीमेंट रोड का निर्माण कराया गया है ।जिसमें न तो लेबल का ध्यान रखा गया और न ही पानी निकासी की कोई व्यवस्था की गई है। चूंकि उक्त रोड, पुलिया मेरे वार्ड में होने के कारण मेरे द्वारा रोड निर्माण के समय नगर पंचायत अधिकारी से रोड के बाजू से पानी निकासी हेतु नाली निर्माण की बात मौखिक रूप से कही गई थी

किन्तु मेरी बात पर ध्यान नहीं दिया गया। अतः उक्त पानी निकासी की समस्या को शीघ्र अति शीघ्र हल करवाने हेतु उचित कदम उठाने की कृपा करें । स्थल का निरीक्षण करके गलत ढंग से बनाई गई। रोड की जाँच करके सम्बंधित अधिकारी एवं ठेकेदार के विरुद्ध उचित कार्यवाही करें।

सराहनीय पहल: राज्य मार्ग पर बीसियों सालों से उक्त अनियमितता होने के कारण गौतमबुद्ध वार्ड पार्षद की सोशल मीडिया पर सराहना की गई है।

इतिहास पर गौर: बीसियों सालों में इस स्थल पर कोई रूकावट नहीं थी। लेकिन पिपरिया से नर्मदापुरम मार्ग पर राजस्थान की चेतक इन्टरप्राइजेज ने लोक निर्माण विभाग की सड़क निर्माण कराया। लेकिन सोनी निवास के पास नाल पर पुलिया बनी हुई है। यह पुलिया आर्च पद्धति की सौ साल अंग्रेजी के जमाने की पुलिया थी। इसके साथ दोनों तरफ दुर्घटना से बचने के लिए ईंटों की रेलिंग थीं। लेकिन विभाग चहेते चेतक इन्टरप्राइजेज पर विभाग मेहरबान था। उक्त सौ साल पुरानी पुलिया को जह का तस छोड़ दिया गया । जबकि इस पुलिया को डिस्मेंटल करके नई बनाना था। लेकिन उस पर केवल डामरीकरण कर दिया गया।लेकिन जिस तरह से डामरीकरण हुआ। उससे पानी की निकासी बंद हो गई। वहीं रेलिंग तोड़ दी गई थी। रेलिंग टूटने से आए दिन रात्रि के समय तेजी से आते वाहन पुलिया में गिर जाते थे। लेकिन सोहागपुर विधानसभा मुख्यालय होने के बाद भी पक्ष विपक्ष ने इस मामले को नजरंदाज कर दिया।

आश्चर्यजनक : करीबन दो साल पहले प्रशासन काल में एक नगर पालिका की चुटैया हाथ में रखने वाले इस व्यक्ति ने इस पुलिया के दोनों तरफ सीमेंट का बेसमेंट बनवा दिया। इस संबंध में उपमंत्री चौबे जी आज बताया कि इसमें करीबन दो लाख पचास हजार रुपए खर्च हुए थे। लेकिन निर्माण के समय होशंगाबाद के ठेकेदार ने इस प्रतिनिधि को। बताया था कि यह बेसमेंट करीबन दस लाख की राशि से बन रहा है। यह बेसमेंट नागरिकों के नागरिकों के आने-जाने के बदले वाहन एवं दुकान लगाने के लिए अघोषित स्थान हो गया है।

इसी राज्य मार्ग पर कायाकल्प योजना : इसी राज्य मार्ग पर पेट्रोल पम्प से लेकर पलकमती नदी तक नागरिकों की सुविधा को लेकर बनाना बताया गया था। जिसमें नगर पंचायत परिषद के उप यंत्री चौबे जी ने बताया कि इसमें करीबन 28 लाख रुपए की खर्च हुई थी। आखिर इस कायाकल्प योजना में बनी सड़क पर आम नागरिकों को क्या फायदा हुआ? यह सोहागपुर की जनता-जनार्दन देख रही है। सत्ता पक्ष के किस किस चर्चित लोगों के व्यवसाय में लाभकारी हुआ है। यदि यही राशि वार्डों के गली मोहल्लों में हुई होती तो भाजपा को विधानसभा चुनाव में लाभ होता। लेकिन नामचीनों के व्यवसाय में लाभकारी सिद्ध हुआ है?। इस मामले को लेकर जहां गौतमबुद्ध वार्ड पार्षद की सराहना की जा रही है। वहीं कई कटाक्ष भी किए गए हैं। देखना दिलचस्प होगा कि कब इस समस्या से सोहागपुर के वाशिंदों को निजात मिलेगी।

नशा मुक्ति अभियान को लेकर दी समझाईश

सुबह सवेरे सोहागपुर

पुलिस अधीक्षक गुरूकरण सिंह के निर्देशन में नगर निरीक्षक कंचनसिंह के मार्गदर्शन में आज स्थानीय पुराने पुलिस थाने के पीछे जनता-जनार्दन को नशा मुक्ति की अलग-अलग कई समूहों में समझाईस दी गई। नशा मुक्ति के दोषों को एएसआई वरुण सिंह,आरक्षक नरेन्द्र, आरक्षक रोहित,सुनील आदि ने दी। नागरिकों से आग्रह किया गया कि परिवार के एक सदस्य के भी नशा करने से पूरे परिवार पर असर पड़ता है। वहीं किसी भी तरह का नशा व्यक्ति के शरीर में बीमारी का घर बन जाता है। चाहे वह नशा तम्बाकू का हो,चाहे ड्रग्स हो या शराब असाध्य रोगों कारण बनता है। इसी कारण किसी भी तरह के नशे से अपने को बचाएं। इसके साथ ही नगर में ग्राम में भी इन व्यसनों के दुष्परिणाम का प्रचार प्रसार करके जागरूकता अभियान चलाए। क्योंकि स्वस्थ जीवन ही सबसे बड़ी पूंजी है। जिसकी तुलना रूपये पैसों से नहीं की जा सकती।

गो वंश सुरक्षा

इसी क्रम में सोहागपुर थाने के तत्वावधान में गो वंश सुरक्षा अभियान चलाया गया। प्रकाश सिंह राजपूत ने बताया कि शहरीय क्षेत्र में आज करीबन 60 से अधिक गो वंश को रेडियम लगाए गए। ताकि रात्रि के समय दो पहिया,चार पहिया वाहन वालों को रेडियम दिख सकें। इससे सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सकेगा।

मेहर गढ़वाल समाज ने संत कबीर की जयंती मनाई

नर्मदापुरम(निप्र)। मेहर गढ़वाल समाज कल्याण परिषद ने सामुदायिक भवन श्री सांई किरण विहार कॉलोनी में संत कबीर साहेब की जयंती मनाई। प्रांतीय अध्यक्ष जीपी मेहरा ने संत कबीर साहेब के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद उपस्थित सभी सदस्यों ने हाल में दिवंगत हुई समाज की आत्माओं के लिए दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में महासचिव एएल बामलिया, उपाध्यक्ष बीबी मेहरा, इटारसी समिति के अध्यक्ष मुकेश बामलिया, महिला प्रकोष्ठ की कोषाध्यक्ष श्रीमती अर्चना मेहरा, उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता बामलिया ने अपने उद्बोधन में कबीर साहेब के जीवन पर प्रकाश डाला तथा उनकी रचनाओं के प्रमुख दोहे एवं भजन गाकर सुनाए।

रथयात्रा महोत्सव को लेकर भक्तों का उत्साह अब और चरम पर नगरवासियों को कर रहे घर-घर जाकर आंमत्रित

कलेक्टर को भी किया आमंत्रित..

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

इस्कॉन मंदिर परिवार के जुड़े कृष्ण भक्तों में इन दिनों नगर में आगामी 9 जुलाई को मंदिर द्वारा निकाले जाने वाले रथयात्रा को लेकर उत्साह चरम पर है। वे नगरवासियों के घर घर जाकर उन्हें रथयात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। इस तारतम्य में आज उन्होंने मंदिर परिवार प्रमुख प्रणव दास प्रभु के सानिध्य में कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर सोनिया मीणा से भेंट कर महोत्सव में शामिल होने आमंत्रित किया है। मंदिर आयोजन में शामिल होने के निमंत्रण से वे प्रसन्न हुई जब उन्हें बताया गया कि नगर में निकलने वाली रथयात्रा पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के भांति भक्तों द्वारा यहां भी भगवान के रथ को रस्से से खींचकर

निकाला जाता हैं। उन्होंने आश्वासन दिया यदि भगवान की कृपा हुई तो वे जरूर यात्रा में शामिल होंगी। आचार्य सोमेश परसाई के निवास नीलमणि पहुंच कर आचार्य श्री को महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया, आचार्य श्री ने इस दौरान इस्कॉन मंदिर के इस प्रयास की भूरी भूरी प्रशंसा की, इसी क्रम में नपाध्यक्ष से मुलाकात करने उनके निवास पहुंचे प्रणव जी के निमंत्रण को उनके पति महेंद्र यादव ने स्वीकारते हुए गत वर्ष के भांति इस बार भी रथयात्रा की भव्यता के लिए नगरपालिका की ओर से यथासंभव साफ-सफाई व्यवस्था करवाने का आश्वासन दिया। इस बार नर्मदापुरम में निकाले जाने वाला रथ जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर भगवान जगन्नाथ जी का नया भव्य रथ तैयार हो रहा है। इस रथ यात्रा की विशेषता यह है की भक्त इस रथ को रस्सी से खींचते हुए एवं मृदंग करताल और महामंत्र संकीर्तन की मधुर ध्वनि करते हुए भगवान को नगर भ्रमण करवाते है जैसा कि जगन्नाथ पुरी में होता है। रथ यात्रा आई टी आई तिराहे से प्रारंभ होकर मीनाक्षी चौक, आनंद नगर, रामजी बाबा, सतरास्ता, इंदिरा चौक होते हुए हुए, नेहरू पार्क जाएगी और समापन पीपल चौक कोठी बाजार पर होगा। पूरे रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ का प्रसाद नगर वासियों को मिलेगा। इस भव्य रथ का निर्माण भोपाल में किया जा रहा है । इसमें अभी लकड़ी का एवं चित्रकला का कार्य शेष है जो की जल्द ही पूरा किया जाएगा ।

गैस सिलेंडर में ब्लास्ट के बाद इमारत में आग

अवैध रीफिलिंग के दौरान 5 सिलेंडर फटे ; 15 फायर फाइटर गाड़ियों ने पाया लपटों पर काबू

पीथमपुर (नप्र)। धार के पीथमपुर में एलपीजी की अवैध रीफिलिंग के दौरान गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। विस्फोट से निकली चिंगारी की वजह से इमारत में आग लग गई। जिसकी चपेट में आकर एक के बाद एक 5 गैस सिलेंडर फटे। गनीमत रही कि समय रहते सभी लोग इमारत से बाहर आ गए थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

सूचना मिलते ही निजी कंपनियों की 5 फायर फाइटर गाड़ियां और नगर पालिका के 10 टैंकर मौके पर पहुंचे। जिन्होंने आधा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में बिल्डिंग स्थित दो दुकान और एक मोटरसाइकिल जल गई।

घटना पीथमपुर सेक्टर एक थाना क्षेत्र की छत्रछाया कॉलोनी की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोपहर करीब 1 बजे विस्फोट के बाद बिल्डिंग में आग लगी। हादसे के बाद थाना प्रभारी संतोष कुमार दूधी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कराया। 5 फायर फाइटर और 10 टैंकरों ने आग पर करीब आधा घंटे में काबू पा लिया।

जांच के बाद लिया जाएगा एक्शन- मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशिकांत शुक्ला ने बताया कि प्रवीण गुप्ता और पवन गुप्ता के मकान में अवैध रूप से गैस टंकी भरने का काम किया जा रहा था। इसी दौरान हादसा हुआ। इसमें किरायेदार राम कुमार यादव और आनंद राजपूत के घर का सामान जल गया। शुक्ला ने कहा कि मामले में जांच के बाद नियमों के अनुसार एक्शन लिया जाएगा।

दो साल पहले भी हुआ था हादसा- इससे पहले 13 अक्टूबर 2022 को शाम लगभग 5 बजे पीथमपुर में ही महू-नीमच रोड पर साइकिल दुकान में ब्लास्ट के बाद आग लगी थी। इसमें दुकान का सारा सामान जल गया था। स्थानीय निवासी पुनीत झवर ने बताया कि इस दुकान में भी अवैध गैस रीफिलिंग का काम किया जाता था।

इलाके में ही रहने वाले अरविंद यादव और शिवपाल राजपूत ने कहा, शहरभर में घरेलू एलपीजी सिलेंडर से छोटी टंकियां भरने का कारोबार चल रहा है। ऐसे हर हादसे के बाद खाद्य विभाग, पुलिस और अन्य जिम्मेदार अधिकारी केवल खानापूर्ति कर लेते हैं।

हाईवे पर नशे में बाइक पर स्टंट करने वाले उमरिया सीएमएचओ को हटाया; डॉ. चौधरी को दी जिम्मेदारी

उमरिया (नप्र)। शराब पीकर स्टंट करने वाले उमरिया जिले के सीएमएचओ डॉ. आरके मेहरा को मंगलवार को हटा दिया गया है। उन्हें आगामी आदेश तक क्षेत्रीय कार्यालय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं रीवा संभाग में पदस्थ किया है। उनकी जगह शासन ने उमरिया के जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. शिव ब्योहार चौधरी को तत्काल प्रभाव से सीएमएचओ के पद पदस्थ किया है। बता दें, डॉ. आरके मेहरा का बाइक पर स्टंट करते हुए एक वीडियो सामने आया है। जिसमें वे हाईवे पर बाइक पर दिखाई दिए थे।

सिवनी गो हत्या के विरोध में मंडला जिला बंद

सिवनी (नप्र)। सिवनी में गो हत्या के विरोध में आज मंगलवार को मंडला जिला आज बंद है। यहां सर्व हिन्दू समाज ने बंद का आवहन किया। मेडिकल, पेट्रोल पंप और जरूरी सेवा को छोड़कर शहर के बाजार पूरी तरह बंद हैं। सुबह लोगों ने शहर में वाहन रैली निकाली। नगर भ्रमण के बाद रैली आमानाला स्थित गोशाला पहुंची। यहां गोमाता का पूजन। जिले के निवास और बिछिया में पुलिस बल तैनात है।

6 जिलों के हाईवे होंगे कैटल फ्री

हाईड्रोलिक क्रेन से उठाए जाएंगे सड़क पर बैठे मवेशी, बेसहारा छोड़ा तो मालिकों पर होगा एक्शन

भोपाल (नप्र)। बेसहारा घूमते जानवर किसानों के लिए मुसीबत तो हैं ही सड़कों पर होने वाले हादसों की वजह भी बनते हैं। मप्र के 6 जिलों से गुजरने वाले हाईवे को कैटल फ्री करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। मप्र के छह जिलों देवास, भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा और राजगढ़ में पशुपालन एवं डेयरी विभाग बेसहारा गोवंश का प्रबंधन करेगा।

पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर छह जिलों में यह पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। इन जिलों गांवों में यदि गाय सड़क पर मिलेगी तो उसे पास की गोशाला में छोडेंगे। जिन पशुपालक की निजी गाय मिलेगी तो उनको बिना पेनल्टी के नहीं छोड़ेंगे। एक बार वॉर्निंग देकर और अगली बार सड़क पर मिलेगी तो पकड़ कर ले जाएंगे। गोशालाओं के चिह्नंकन का काम भी कराया जा रहा है।

पशुपालन विभाग कराएगा गांवों में बेसहारा गोवंश का सर्वे- पशुपालन मंत्री लखन पटेल ने बताया कि जिन छह जिलों में यह प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। उन जिलों के गांवों में गोवंश का सर्वे किया जाएगा। इस सर्वे में बेसहारा गोवंश के न केवल आंकड़े जुटाए जाएंगे। बल्कि, गौवंश के कान पर लगे टैग से उसके मालिक का पता लगाया जाएगा। 15 दिन में सर्वे शुरू हो जाएगा। इसके अलावा गोशालाओं का भी सर्वे कराया जाएगा। क्षेत्र के हिसाब से गोशालाओं की मैपिंग भी कराई जाएगी।

सर्वे के दौरान यह भी देखा जाएगा कि कितना गोवंश लावारिस हालत में हैं और गोशाला की क्षमता कितनी है। गोशाला में कितना गोवंश अभी मौजूद है। स्थानीय निकायों और जनप्रतिनिधियों की निगरानी में गौशालाओं का रूटीन निरीक्षण भी कराया जाएगा।

टोल बूथों पर बनेंगे हेल्पलाइन सेंटर

अक्सर हाईवे पर बेसहारा मवेशियों के बैठने की वजह से रात के वक्त सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। ऐसे में हाईवे पर संचालित टोल टैक्स बैरियर पर पशुपालन विभाग की हेल्पलाइन बनाई जाएगी। वाहन चालक या स्थानीय ग्रामीण सड़क पर बैठे वाहनों की सूचना लोकेशन सहित देंगे तो टोल बैरियर पर तैनात कर्मचारी गोवंश को लेकर गोशाला में छोड़ेंगे।

हाईड्रोलिक क्रेन और वैन रहेंगी तैनात

सड़क पर बैठे जानवरों को हाईवे से गोशाला तक ले जाने के लिए हाइड्रोलिक क्रेन और वैन तैनात की जाएगी। इससे घायल और बीमार मवेशियों को भी गोशालाओं पहुंचाया जाएगा। ये सेवा 24 घंटे संचालित रहेगी।

स्वास्थ्य क्षेत्र में मध्यप्रदेश को शीर्ष में लाने के लिए पूरे मनोयोग से कार्य करें : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

समुदाय की सहभागिता से अभियान को जन आंदोलन का रूप दें, दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने भोपाल में राज्य स्तरीय 'दस्तक सह स्टॉप डायरिया' अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य के विभिन्न पैरामीटर आईएमआर, एमएमआर, सीएमआर आदि में मध्यप्रदेश को शीर्ष स्तर में ले जाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अमले को पूरे मनोयोग से कार्य करना होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि नौनिहालों की स्वास्थ्य सुरक्षा के इस अभियान को जन आंदोलन बनाना होगा और समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी।

हर नागरिक, हर क्षेत्र तक गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की पहुँच और उपलब्धता के लिए सतत प्रयास जारी- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश में योग्यता की कमी नहीं है। विभाग को निरंतर सशक्त किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में संसाधनों की कमी नहीं है। स्वास्थ्य विभाग में आगामी 6 महीने में 30 हज़ार पदों पर भर्ती की जाएगी। मध्यप्रदेश के हर नागरिक, हर क्षेत्र तक गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की पहुँच और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हम सतत प्रयासरत हैं।

उप मुख्यमंत्री ने अपील की है कि मेडिकल प्रोफेशनल ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देने के बारे में सोचे। आवश्यक सुविधाओं के लिए विभागीय स्तर पर सतत मंथन किया जा रहा है और सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने दस्तक अभियान की सफलता के लिए स्वास्थ्य विभाग के अमले और सहयोगी विभागीय कार्यकर्ताओं और मैदानी अमले को शुभकामनाएँ दीं।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा का आवश्यकतानुसार प्रयोग अवश्य करें- उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से आपातकाल में दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को उत्कृष्ट सेवाएँ मुहैया कराने का प्रयास किया गया है। एयर एम्बुलेंस सेवा का आवश्यकतानुसार उपयोग सुनिश्चित करने लिए विभागीय अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों को

जागरूकता लाने के निर्देश दिये गये हैं। तृतीयक स्वास्थ्य सेवाएँ ग्रामीण अंचल में उपलब्ध कराने के लिए अधोसंरचनात्मक विकास और मैनपॉवर उपलब्धता के सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

जनजागरूकता सामग्री का किया विमोचन- उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अभियान से संबंधित जन जागरूकता सामग्री का विमोचन किया। कार्यक्रम में दस्तक अभियान की गतिविधियों और उपलब्धियों पर आधारित डाक्यूमेंट्री फ़िल्म का प्रदर्शन किया गया। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, एमडी एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास, संचालक आईईसी श्रीमती रचना दुबे, संचालक महिला एवं शिशु स्वास्थ्य श्रीमती अरुणा कुमार सहित समस्त ज़िलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

स्वस्थ भारत लिए बच्चों का स्वास्थ्य महत्वपूर्ण-राज्य मंत्री श्री पटेल- स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए बच्चों का स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण है। राज्य मंत्री श्री पटेल ने अभियान की सफलता के लिए मैदानी अमले को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी अभिभावकों, नागरिकों से अभियान की सफलता के लिए स्वास्थ्य विभाग के अमले को सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया और अभियान की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

वर्ष 2016 में 168 ब्लॉक से शुरू हुआ अभियान अब हर घर में दे रहा है अच्छे स्वास्थ्य की दस्तक-श्रीमती दास- एमडी एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास ने दस्तक अभियान में की जाने वाली गतिविधियों, तैयारियों और कार्ययोजना की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दस्तक अभियान वर्ष 2016 में 168 ब्लॉक में प्रारंभ किया गया था। अभियान से प्राप्त सफलता को देखकर अगले वर्ष से यह समस्त 313 ब्लॉक में चालू कर दिया गया। श्रीमती दास ने बताया कि बाल्यकालीन बीमारियों की पहचान एवं त्वरित उपचार/रेफरल सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में प्रतिवर्ष दस्तक अभियान संचालित किया जाता है। अभियान का प्रमुख उद्देश्य बाल मृत्यु प्रकरणों में कमी लाना है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा, दस्तक अभियान का संचालन महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से किया जाता है। अभियान के प्रथम चरण में 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों की चिकित्सीय जांच कर बीमारियों की पहचान एवं त्वरित उपचार की व्यवस्था की जाती है। द्वितीय चरण में विटामिन ए अनुपूरण एवं प्रथम चरण में चिन्हित एनीमिक बच्चों की पुनः जांच की जाती है। अभियान में 88 लाख से अधिक बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2024-25 में 'दस्तक सह स्टॉप डायरिया' अभियान 25 जून से 31 अगस्त 2024 तक संचालित किया जायेगा।

समुचित शिशु एवं बाल आहारपूर्ति की समझाईश दी जाएगी- दस्तक अभियान के अन्तर्गत बीमार नवजातों और अस्पताल से छुट्टी प्राप्त बच्चों का फालोअप किया जाएगा। 9 माह से 5 वर्ष के बच्चों में विटामिन 'ए' की खुराक का अनुपूरण और 0 से 5 आयु वर्ष के बच्चों में दस्त की पहचान एवं नियंत्रण हेतु ओ.आर. एस. एवं जिंक का वितरण स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाएगा। इसके साथ ही 0-5 आयु वर्ष के बच्चों में निमोनिया, जन्मजात विकृतियों एवं वृद्धि विलम्ब, गंभीर कुपोषण की त्वरित पहचान और प्रबंधन का कार्य किया जाएगा। 6 माह से 5 वर्ष के बच्चों में गंभीर अनीमिया की स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन के साथ शिशु एवं बाल आहारपूर्ति सम्बन्धी समझाइश समुदाय को दी जाएगी। आंशिक रूप से टीकाकृत बच्चों या टीकाकरण से छूटे बच्चों की स्थिति की जानकारी लेकर आवश्यक निदानात्मक कार्यवाही की जाएगी। 5 वर्ष तक के बच्चों में श्रवण बाधिता और दृष्टिदोष की पहचान एवं उपचार का कार्य किया जाएगा। साथ ही समस्त चिन्हांकित अनीमिक बच्चों में सिकल सेल अनीमिया की पहचान कर उपयुक्त उपचार किया जाएगा।

आपातकाल में त्वरित चिकित्सकीय सेवाओं के लिए एयर एम्बुलेंस उपयोगी : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

मऊगंज के श्री गोविंदलाल को सर्वप्रथम मिली 'पीएम श्री एयर एंबुलेंस' की सुविधा

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि सरकार हर नागरिक को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चिकित्सा अधोसंरचना और चिकित्सकीय उन्नत तकनीक की व्यवस्था के साथ मैन पॉवर उपलब्धता के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि 'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा' आपातकाल में नागरिकों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण पहल है। आपात स्थिति में उचित चिकित्सकीय सेवा की उपलब्धता से गंभीर पीड़ितों की जिंदगियों को बचाया जा सकेगा।

उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मऊगंज के श्री तिवारी को गंभीर हार्ट अटैक की शिकायत में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाय के लिए एयर एम्बुलेंस सुविधा की आवश्यकता को संज्ञान में लिया। उन्होंने प्रशासनिक और विभागीय अधिकारियों को आसानी से सेवा मुहैया कराने के निर्देश दिये। वे इस विषय से जुड़े रहे ताकि मरीज़ और परिजनों को कोई असुविधा न हो। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि मरीज़ के स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग करते रहें। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मरीज श्री तिवारी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

पीएम श्री एयर एंबुलेंस की निःशुल्क सुविधा का लाभ लेने वाले मऊगंज के श्री तिवारी प्रथम लाभार्थी हैं। आयुष्मान कार्डधारी 50 वर्षीय श्री तिवारी को एयर एंबुलेंस की सुविधा देकर उपचार के लिए रीवा से भोपाल रवाना किया गया। मऊगंज जिले के देवतालाब के समीप ग्राम जुड़मनिया मुरली निवासी श्री तिवारी को 23 जून की रात हृदय में पीड़ा हुई। उन्हें गंभीर हार्टअटैक हुआ। प्रारंभिक उपचार के बाद उनकी स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ। अपेक्षानुरूप सुधार न मिलने पर डॉक्टरों ने श्री तिवारी को भोपाल के लिए रेफर किया। श्री तिवारी को एयर एंबुलेंस के माध्यम से शाम 7 बजे भोपाल के लिए रवाना किया गया। उनके साथ में दो परिजन भी भोपाल गए हैं।

गंभीर रोगी श्री गोविंदलाल तिवारी की बहन

एयर एम्बुलेंस सेवा की सुविधा के लिए नोडल अधिकारी

दुर्घटना/आपदा के प्रकरण में संभाग के अंदर पीड़ित को निःशुल्क परिवहन के लिये जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की अनुशंसा पर जिला कलेक्टर संभाग के अंदर स्वीकृति प्रदान कर सकेंगे तथा संभाग के बाहर जाने के लिये स्वीकृति स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा दी जायेगी। मेडिकल कॉलेज में भर्ती गंभीर रोगी/ पीड़ित को संभाग के बाहर एयर एम्बुलेंस की स्वीकृति अधिष्ठाता की अनुशंसा पर संभाग आयुक्त द्वारा तथा राज्य के बाहर के लिए संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा दी जायेगी। अन्य समस्त सशुल्क परिवहन के प्रकरण में एयर एंबुलेंस की उपलब्धता अनुसार स्वीकृति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय स्तर पर दी जायेगी।

श्रीमती सुनीता देवी ने बताया कि मेरे भाई को पिछली रात हार्टअटैक हुआ। प्रारंभिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा व्यवस्था की गयी। बिना किसी खर्च के हम उपचार के लिए अपने भाई को भोपाल तत्काल ले जा पा रहे हैं। श्रीमती सुनीता देवी ने इस सुविधा के लिए मध्यप्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से प्रदेश में कहीं भी चिकित्सा आपात स्थिति उत्पन्न होने या चिन्हित विशेष प्रकार की चिकित्सा सुविधा या चिकित्सा विशेषज्ञों की आवश्यकता निर्मित होने पर कठिन भौगोलिक परिस्थिति में प्रदेश के दूरस्थ अंचलों तक पहुंचकर उन्नत आपातकालीन चिकित्सा द्वारा मरीजों की को स्थिर कर उच्च चिकित्सा केन्द्रों तक एयर लिफ्ट किया जाता है।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा सड़कों एवं औद्योगिक स्थलों में होने वाले हादसों, प्राकृतिक आपदा में गंभीर पीड़ित घायल व्यक्ति को त्वरित उपचार के लिये हवाई परिवहन सुविधा उपलब्ध करायेगी। हृदय सम्बंधित अथवा अन्य विभिन्न गंभीर बीमारियों जिसमें रोगी/ पीड़ित को तत्काल इलाज की आवश्यकता होने की स्थिति में मरीजों को अच्छे एवं उच्चतम चिकित्सा संस्थानों में त्वरित उपचार के लिये हवाई परिवहन सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

रामायण पाठ कर रहे ग्रामीणों को कुचलने की कोशिश

ट्रैक्टर से दुकान तोड़ी, बाइकों पर चढ़ाई; ग्रामीण के हाथ में कुल्हाड़ी मारी, गिरफ्तार

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के कटरा बेलखेड़ा गांव में रामायण पाठ कर रहे लोगों को ट्रैक्टर से कुचलने का प्रयास किया गया। हालांकि इसमें कोई भी हताहत नहीं हुआ है।

जानकारी के अनुसार गांव के नरेंद्र लोधी और कमल के परिवार के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। मंगलवार सुबह 11 बजे मंदिर के बाहर कमल कुछ लोगों के साथ रामायण पाठ कर रहे थे। इसी दौरान नरेंद्र लोधी ट्रैक्टर चलाता हुआ आया और पाठ कर रहे लोगों पर चढ़ाने का प्रयास किया।

नरेंद्र के इरादे को भांपकर लोग वहां से भाग खड़े हुए। ट्रैक्टर की चपेट में वहां खड़ीं बाइकें आ गई। स्कूल की तरफ आरोपी पहुंचा तो बच्चों ने भाग कर अपनी जान बचाई। इसके बाद आरोपी ने एक ग्रामीण के हाथ में कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इसके पहले आरोपी ने एक दुकान को ट्रैक्टर की टक्कर मारकर तोड़ दिया। आरोपी नरेंद्र सिंह लोधी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

2 एकड़ जमीन को लेकर चल रहा है विवाद- पाटन थाना से 13 किलोमीटर दूर कटरा बेलखेड़ा में शांति बाई की दो एकड़ जमीन है। 16 जून 2023 को शांति बाई की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उनकी मौत के बाद से कमल सिंह लोधी अपने भाई हनुमत सिंह के साथ उस जमीन पर खेती करने लगा। नरेन्द्र सिंह का कहना है कि उस जमीन पर मेरा हक है, क्योंकि शांति बाई मेरी नानी थी। इसी को लेकर बीते एक साल से कमल सिंह लोधी और नरेंद्र के बीच विवाद चला आ रहा था।

हिम्मत सिंह को कुल्हाड़ी मारी- ट्रैक्टर चालक आरोपी नरेन्द्र सिंह ने करीब 20 मिनट तक गांव में हंगामा किया। आरोपी को समझाने के लिए हिम्मत सिंह उसके पास गया तो उसे कुल्हाड़ी फेंक कर दे मारी, जिससे उसके बाएं हाथ में गंभीर चोट आई है। हंगामे के बीच स्थानीय ग्रामीणों ने डायल-100 को सूचना दे दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने नरेंद्र को हिरासत में ले लिया। कमल सिंह ने बताया कि दादी शांति बाई की देखरेख हम लोग किया करते थे, उनका जब देहांत हो गया तो दो एकड़ जमीन पर खेती करने लगे।

मध्यप्रदेश के 17 जिलों में पहुंचा मानसून

अब तक 49 जिलों में एक्टिव ; ग्वालियर और चंबल को अब भी इंतजार

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मंगलवार दोपहर में 17 जिलों में मानसून एंटर कर गया है। दक्षिण-पश्चिम मानसून झाबुआ, रतलाम, नीमच, मंदसौर, आगर, शाजापुर, राजगढ़, गुना, शिवपुरी, अशोकनगर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा और मऊगंज जिलों में प्रवेश कर चुका है। इन्हें मिलाकर मानसून अब तक कुल 49 जिलों में मानसून एक्टिव हो गया है। ग्वालियर और चंबल के कुछ जिलों में मानसून अभी एंटर नहीं हुआ है।

भोपाल के वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया, प्रदेश में अभी दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम है। वहीं, ट्रफ लाइन भी गुजर रही है। इस वजह से पूरे प्रदेश में आंधी, बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी हुई है। मंगलवार को भी ऐसा ही मौसम रहेगा। भोपाल, इंदौर समेत 43 जिलों में आंधी और गरज-चमक का अलर्ट है। कहीं-कहीं बारिश भी हो सकती है। आने वाले दिनों में तेज बारिश जारी रहेगी। सोमवार को नर्मदापुरम-रतलाम में 1 इंच से ज्यादा बारिश हुई। वहीं, भोपाल, छिंदवाड़ा, सागर, ग्वालियर समेत कई जिलों में भी पानी गिरा

भोपाल में बदला मौसम, तेज बारिश- भोपाल में मंगलवार दोपहर बाद बारिश हुई। इससे पहले दिन भर उमस और गर्मी का माहौल रहा। शाम करीब 4.30 बजे अचानक मौसम बदला, और एमपी नगर समेत आसपास के कई इलाकों में बारिश होने लगी। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

चार दिन में जून की बारिश का कोटा फुल- जून महीने में जितनी बारिश होती है, उतनी 4 दिन में ही हो गई। 21 जून से अब तक भोपाल में कुल 187.1 मिमी यानी, 7.3 इंच बारिश हुई। जबकि मंगलवार को मिलाकर चार दिन तेज बारिश का अलर्ट है। इससे आंकड़ा और भी बढ़ जाएगा। राजधानी में जून महीने की औसत बारिश 132.8 मिमी यानी, 5.2 इंच है। आमतौर पर 20 जून तक मानसून की दस्तक के बाद ही तेज बारिश होती है, लेकिन इस बार मानसून के आने से पहले ही तेज बारिश हो गई। 23 जून को भोपाल में मानसून की एंट्री हुई। इसके दो दिन पहले से भोपाल में बारिश हो रही है। इस वजह से बारिश का आंकड़ा 7.3 इंच तक पहुंच गया है।

इस बार 106 प्रतिशत बारिश का अनुमान

भोपाल में इस बार सामान्य से 106 प्रतिशत बारिश होने का अनुमान है। पिछली बार 18 प्रतिशत कम यानी, 82 प्रतिशत (30.9 इंच) बारिश हुई थी, जबकि भोपाल की सामान्य बारिश 37.6 इंच है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अबकी बार भले ही मानसून 3 दिन की देरी से पहुंचा, लेकिन अच्छा बरसेगा।

प्री-मानसून की रिकॉर्ड बारिश

अबकी बार शहर में प्री-मानसून जमकर बरसा है। 21-22 जून की रात में 4.8 इंच पानी बरस गया। यह 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश का दूसरा रिकॉर्ड है। 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश का रिकॉर्ड 22 जून 1986 के नाम है। इस दिन 5 इंच से अधिक बारिश हुई थी।

अगले 3 दिन ऐसा रहेगा मौसम

26 जून को भी तेज बारिश का अलर्ट है। दिन में पारा 34 डिग्री और रात में 24 डिग्री तक पहुंच सकता है।

27 और 28 जून को तेज बारिश होने का अनुमान है। इससे दिन और रात दोनों ही तापमान में गिरावट हो सकती है।